www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
3 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 67 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

तनाव में मणिपुर, नगा-कुकी में फिर टकराव

● समूहों के बीच फिर झड़प, उपद्रवियों ने 20 घरों को किया आग के हवाले

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कामजोंग जिले में बुधवार को फिर से हिंसा भड़क गई। भारत-म्यांमार सीमा के पास के गांवों में नगा और कुकी गुटों के बीच हुई सशस्त्र झड़पों में 20 से ज्यादा घर जला दिए गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, हिंसा की शुरुआत सुबह हुई जब कुकी गांव के हथियारों से लैस लोगों ने नगा गांव पर हमला किया और कम से कम 10 घरों में आग लगा दी। दोपहर में स्थिति और बिगड़ गई जब संदिग्ध उग्रवादियों और हथियारों से लैस गांव के स्वयंसेवकों ने इलाके के अन्य गांवों पर जवाबी हमले किए। बाद में हुई हिंसा में नगा समुदाय के कम से कम 12 और घर जला दिए गए।

प्रभावित गांवों में सुरक्षा बलों को भेजा गया और हालात सामान्य करने के लिए इलाके में कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, लेकिन कड़ी नजर रखी जा रही है। हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। मणिपुर में इस साल मई में दो समुदाय बहुसंख्यक मैतेई और अल्पसंख्यक कुकी के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। इस हिंसा में अब तक कम से कम 130 लोग मारे गए हैं और 400 लोग घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस के संघर्ष के कारण 60,000 से अधिक लोगों को अपने घरों से दूसरी जगहों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इन झड़पों के दौरान दोनों समुदायों ने कई जगहों पर तोड़फोड़ की और कई पुलिस थानों से हथियार भी लूट लिए। हिंसक झड़प के दौरान सैकड़ों चर्च और एक दर्जन से अधिक मंदिरों को भी तोड़ दिया गया और कई गाँव में आग लगा दी गई। मैतेई, कुकी और नगा मिलिशिया दशकों से परस्पर विरोधी मातृभूमि मांगों और धार्मिक मतभेदों को लेकर एक-दूसरे से लड़ते रहे हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : सोनम की जमानत के खिलाफ 'एससी' में सरकार

● मेघालय सरकार बोली-देश छोड़कर भाग सकती है

शिलांग (एजेंसी)। बीते साल 2025 में हुए राजा रघुवंशी हत्या मामले में अब एक नया मोड़ सामने आया है। मेघायल में हनीमून के दौरान पति की हत्या करने की आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी की जमानत के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है।

मेघालय सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आरोपी की जमानत रद्द करने की मांग की है। मामले में सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम

सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की बेंच के सामने देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने गुरुवार को यह मामला उठाया।

टाइपिंग की गलती का फायदा उठाकर मिली जमानत- दरअसल, 29 जून को मेघालय हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को सही ठहराया था, जिसमें सोनम रघुवंशी को जमानत दी गई थी। जमानत की वजह यह थी कि गिरफ्तारी के वक्त सोनम को गिरफ्तारी के पुख्ता आधार से जुड़े दस्तावेज पूरी तरह नहीं सौंपे गए थे। इस पर सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि कागजात न दे पाने की वजह एक टाइपिंग की छोटी सी गलती थी, जिसके कारण गलत कानूनी धारा का जिक्र हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

भारत आ रहे जहाज को लूटने की कोशिश नाकाम

भारतीय नौसेना का बड़ा ऐक्शन बचाई क्रू मेंबर्स की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आ रहे एक जहाज को लूटने की कोशिश को भारतीय नौसेना ने नाकाम कर दिया है। ये जहाज अब पूरी तरह से सुरक्षित है। जहाज पर कल रात समुद्री लुटेरों का हमला हुआ था। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल ने समुद्री डकैती की एक कोशिश को नाकाम किया है।

बताया जा रहा है कि भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो जहाज (गोल्डन आर्सेनल) पर चढ़े। इस जहाज पर ही लुटेरों का हमला हुआ था। जहाज पर एक भारतीय क्रू मेंबर भी मौजूद था। यह जहाज भारत के लिए जरूरी सामान लेकर जा रहा था। जहाज के क्रू ने खुद को एक सुरक्षित कमरे में बंद कर लिया और कम्युनिकेशन चैनल के जरिए डकैती की कोशिश की जानकारी दी।

बेंगलुरु में पत्थर खदान में चट्टान गिरी, 8 की मौत

सभी मजदूर बिहार के रहने वाले, 18 लोग काम कर रहे थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार सुबह पत्थर खदान पर हुए हादसे में 8 मजूदरों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सभी मजदूर बिहार के रहने वाले थे। घटना के दौरान 18 मजदूर का कर रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, साउथ तालुक इलाके में मौजूद कावेरी क्रशर कंपनी की खदान में खनन चल रहा था। इसी दौरान 40 फीट ऊंचाई से चट्टान का बड़ा टुकड़ा मजदूरों पर गिरा। घटना में कई मजदूर घायल भी हुए हैं। सभी का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। एक्सकेवेटर चला रहे परशुराम ने बताया कि काम शुरू करने के लिए जैसे ही मैं मौके पर पहुंचे और मशीन चालू की, तभी पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता, लेकिन उस समय नीचे करीब 18 लोग काम कर रहे थे। हादसा इतना अचानक हुआ कि मजदूरों को संभलने का मौका नहीं मिला।

अब चीन का बांग्लादेश और म्यांमार में सीपीईसी जैसा प्लान

नार्थ ईस्ट में भारत को घेरने की तैयारी, बढ़ेगी टेंशन

बीजिंग (एजेंसी)। भारत के पूर्वी बॉर्डर के आसपास पकड़ बनाने के लिए चीन एक अहम प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर की तरह बीजिंग का प्लान अब म्यांमार के रास्ते चीन को बांग्लादेश से जोड़ने वाला गलियारा बनाने का है।

दक्षिण एशिया में अपने महत्वाकांक्षी कनेक्टिविटी प्लान के तहत चीन अरब सागर तक पहुंच बनाने के बाद बंगाल की खाड़ी तक जाने वाले रास्ते पर नजर जमाए हुए है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने ट्रांसनेशनल इकोनॉमिक कॉरिडोर का प्रस्ताव बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान उनके सामने रखा है, जिस पर ढाका भी उत्साहित दिख रहा है। प्रस्ताव इसमें शामिल देशों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, व्यापार पर केन्द्रित रहेगा।

● पीएम मोदी ने सनाए को बताया अपनी छोटी बहन, कहा

विश्व पटल पर भारत-जापान मिलकर गढ़ेंगे नए 'आयाम'

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की पीएम सनाए तकाइची ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत-जापान वार्षिक समिट में हिस्सा लिया। इसके बाद साझा प्रेस वार्ता में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों की साझेदारी को और सुदृढ़ करने का संकल्प दिया। प्रेस वार्ता की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री तकाइची को अपनी छोटी बहन कह कर संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वो जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री भी हैं और एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता भी हैं। प्रधानमंत्री ताकाइची और मेरा विश्वास है कि टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी विजन को साकार करने के लिए, आज एआई के क्षेत्र में हमने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी किया है।

प्रधानमंत्री ने किया जी-7 समिट का जिक्र- पीएम मोदी ने आगे कहा कि सनाए तकाइची नारा प्रीफेक्चर से आती हैं, जो साझा बौद्ध विरासत का

केंद्र है। जी-7 में मैंने कहा था कि उथल पुथल के माहौल में यह एक वैश्विक स्ट्रेटजिक एसेट है। भारत-जापान की साझेदारी खरी उतरती है। पिछले कई दशकों में ऑटोमोटिव से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक में जापान ने भारत की ग्रोथ स्टोरी का हिस्सेदार बना है।

● **भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों ही देशों को आर्थिक तौर पर काफी मजबूत बताते हुए आगे कहा, कि आज भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से हैं। एक स्वतंत्र, समृद्ध और नियम आधारित इंडो पैसिफिक हमारी साझा प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने तकनीकी क्षेत्र में हो रहे निवेश की चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि जापान की प्रीसिजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति और शक्ति देगा।

डिफेंस, एआई से लेकर क्रिटिकल मिनरल्स पर बात

दोनों नेताओं के बीच निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स, सप्लाई चेन, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन का हिस्सा है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में ताकाइची का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की सनाए ताकाइची को अपनी छोटी बहन बताया। उन्होंने कहा कि योर एक्सीलेंसी और मेरी छोटी बहन प्रधानमंत्री तकाइची। इंडिया-जापान एनुअल समिट के लिए प्रधानमंत्री तकाइची का भारत में अपनी पहली यात्रा पर स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री भी हैं और एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता भी हैं।

पटना के बांकीपुर उपचुनाव की घोषणा

● 30 जुलाई को डाले जाएंगे वोट, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की है सीट

पटना (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने पटना की बेहद वीआईपी मानी जाने वाली बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। इस सीट पर आगामी 30 जुलाई को वोट डाले जाएंगे। यह सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। बांकीपुर सीट को भाजपा का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है, इसलिए इस उपचुनाव पर न सिर्फ सत्ता पक्ष बल्कि विपक्ष की भी पैनी नजरें टिकी हुई हैं। चुनाव की तारीखें सामने आते ही पटना में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। पटना की हाई-प्रोफाइल बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यह चुनाव बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विधायक पद से इस्तीफे के कारण हो रहा है।

● **भाजपा का अभेद्य किला मानी जाती बांकीपुर सीट**- पटना शहर की बांकीपुर सीट को राजनीतिक विश्लेषक भाजपा का अभेद्य किला मानते हैं। पिछले कई चुनावों से यहां विपक्षी दलों को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। नितिन नवीन से पहले भी यह सीट भाजपा के ही खाते में रही है। शहरी मतदाताओं की बहुलता वाली इस सीट पर इस बार उपचुनाव में एनडीए, जन सुराज पार्टी और महागठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद जताई जा रही।

ममता से अलग हुआ बागी गुट बोला-हम असली टीएमसी

चुनाव आयोग से मुलाकात की, कहा-जल्द से जल्द फैसला लें

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने गुरुवार दोपहर चुनाव आयोग से मुलाकात की। बागी गुट का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिला। विधायकों ने पार्टी में हुए संगठनात्मक बदलावों और नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी को मान्यता देने की मांग की। मुलाकात के बाद बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा- हम ही असली टीएमसी हैं, चुनाव आयोग ने हमारी बात सुनी। उम्मीद है वे जल्द फैसला लेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में 22 जून को कोलकाता में प्रतिनिधि बैठक हुई थी। इसमें नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था। बंगाल चुनाव में हार के बाद 3 जून को टीएमसी टूट गई थी।

बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसी बगावत- 20 जून 2022 को महाराष्ट्र में शिवसेना के 55 में से 40 विधायक एकनाथ शिंदे के साथ गए। तब उद्धव सीएम थे। राज्यपाल ने उन्हें फ्लोर टेस्ट को कहा। उद्धव सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट नहीं रोका तो उद्धव ने इस्तीफा दे दिया। 30 जून 2022 को शिंदे भाजपा के समर्थन से सीएम बन गए। फिर दोनों गुट एक-दूसरे के विरोधी हो गए।

आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की तैयारी

● पुलिस जांच के लिए एक बार फिर राम मंदिर पहुंची ● चंपत राय पर एफआईआर के लिए वकीलों का प्रदर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब ट्रस्ट के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। पहली बार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास महाराज ने पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा- पूरी गलती गोपाल राव की है।

वे राजनीति कर रहे हैं। वो सबको उलझा देते हैं। वो राम की परंपरा नहीं मानते। गोपाल राव राम मंदिर के निर्माण प्रभारी और ट्रस्ट

के आमंत्रित सदस्य थे। मूल रूप से कर्नाटक के रहने वाले हैं। इस बीच, सुबह 11.45 बजे अयोध्या में 500 से ज्यादा वकील सड़क पर उतर आए। चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर एफआईआर की मांग कर नारेबाजी की। सिविल लाइन चौकी जाकर उन तीनों समेत 4 लोगों के खिलाफ शिकायत दी।

ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा से पूछताछ संभव

पुलिस ने अयोध्या जेल में 30 जून को आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ की थी, अब आगे जांच कर रही है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से रविवार को 3 घंटे पूछताछ हो चुकी है। अब उसे क्रॉस चेक करने के लिए अनिल मिश्रा से आज पूछताछ हो सकती है। आरोपियों लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा की नियुक्ति में उनके रोल की पड़ताल करेगी। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। यूपी सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई।

मंत्री एके शर्मा बोले- कमियां ठीक करेंगे दोषी को सजा देंगे

यूपी में मंत्री एके शर्मा ने कहा- राम मंदिर का मुद्दा पूरे भारत के लिए आस्था का विषय है। हम सभी के मन में भगवान राम के प्रति आस्था है। हम सभी राम भक्त हैं। राम की भक्ती में कहीं कोई कमी नहीं आई है। ये दिन प्रतिदिन प्रबल होती जा रही है। हमारी व्यवस्थाओं में यदि कोई कमियां रही होंगी तो उन्हें ठीक किया जाएगा। जो लोग दोषी होंगे उन्हें दंडित किया जाएगा। चढ़ावा चोरी के आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ करने के लिए गुरुवार को अयोध्या पुलिस ने कोर्ट में रिमांड अर्जी दाखिल की है।

विभाजन के बाद भारत आने वाले लोग शरणार्थी नहीं, योद्धा थे

● भागवत ने विस्थापितों के संघर्ष को सराहा, कहा-वह वीर थे ● बोले-धर्म के प्रति प्रेम के कारण कठिनाइयों और दर्द को झेला ● विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए कभी हार नहीं मानी

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि 1947 के विभाजन के बाद भारत आने वाले लोग शरणार्थी नहीं थे, बल्कि संघर्ष के योद्धा थे जिन्होंने मातृभूमि और धर्म के प्रति प्रेम के कारण कठिनाइयों और दर्द को झेला। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पाकिस्तान में अपनी संपत्ति और व्यवसाय छोड़कर भारत आने का निर्णय लिया। भागवत नागपुर में सिंधु एजुकेशन सोसाइटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस सोसाइटी का संचालन सिंधी समाज की ओर से किया जाता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि विभाजन के बाद इन लोगों ने जानबूझकर भारत आने का निर्णय लिया, क्योंकि वे उस भूमि में रहना चाहते थे जहां वे बिना

किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सकें। उन्होंने कहा-वे शरणार्थी नहीं थे, हालांकि वे विस्थापित थे। वे योद्धा थे जिन्होंने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम के चलते कष्ट झेला। उन्होंने करियर या धन नहीं, बल्कि देश और धर्म को चुना। जीवन की कठिनाइयों पर उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए किसी को हार नहीं माननी चाहिए, बल्कि फिर से उठने का प्रयास करना चाहिए। अंततः सफल भी वही होता है। उन्होंने सिंधु एजुकेशन सोसाइटी की 75 वर्षों की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे पड़ाव किसी संस्था के किए गए कामों की समीक्षा करने और उसके लक्ष्यों को याद करने का मौका देते हैं।

एनडीए का मिशन 360: अब डीएमके एनसीपी और सपा में सेंध की तैयारी

लोकसभा में दो-तिहाई का आंकड़ा पाने की कोशिश है जारी

अब 41 सांसदों की जरूरत, बड़े संवैधानिक बदलाव करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार सियासी तस्वीर बदलने के लिए 'मिशन 360' में जुटे हैं। 17 अप्रैल को महिला आरक्षण व परिसीमन से जुड़े बिल

पर लोकसभा में झटका लगने के बाद ही भाजपा ने संसद में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की रणनीति तेज कर दी थी। पार्टी का फोकस केवल इसी विधेयक तक सीमित नहीं बल्कि 'एक देश-एक चुनाव' और न्यायिक सुधारों जैसे बड़े संवैधानिक बदलावों के लिए जरूरी 'सुपर मेजोरिटी' हासिल करने पर है। इसके लिए भाजपा विपक्षी दलों में टूट, नए सहयोगी जोड़ने और जरूरत पड़ने पर मतदान के समय विपक्ष की गैरहाजिरी जैसे विकल्पों पर नजर रखे है। इसे संसद के मानसून सत्र तक पूरा करने का टारगेट है।

उद्धव गुट के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल- हाल ही में टीएमसी के 20 सांसदों के अलग होकर एनडीए को समर्थन करने और शिवसेना (उद्धव) के 6 सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद इस कयास को और बल मिल गया है। हालांकि इस जोड़तोड़ के बावजूद दो-तिहाई बहुमत के लिए 41 और सांसदों की जरूरत है।

एक नजर

साढ़े 11 घंटे बंद रहा बदरीनाथ हाईवे, फंसे रहे 8000 तीर्थयात्री

पीपलकोटी/ज्योतिर्मठ। भारी बारिश के कारण बदरीनाथ हाईवे पर पागलनाला और गुलाबकोटी में टनों मलबा आ गया। इससे हाईवे पर करीब साढ़े 11 घंटे तक वाहनों की आवाजाही ठप पड़ी रही। इस दौरान हाईवे के दोनों ओर से वाहनों में करीब आठ हजार श्रद्धालु फंसे रहे। शाम साढ़े चार बजे वाहनों की आवाजाही सुचारु हो पाई जिसके बाद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

सीजन की शुरुआती बारिश ने ही बदरीनाथ हाईवे पर कहर बरपाना शुरू कर दिया है। बुधवार रात को हुई मूसलाधार बारिश से बृहस्पतिवार को सुबह करीब पांच बजे पागल नाला और गुलाबकोटी में हाईवे अवरुद्ध हो गया। यहां हाईवे पर टनों मलबा आ गया जिससे वाहनों के पहिये थम गए। पुलिस प्रशासन की ओर से हाईवे के दोनों ओर लंगसी और गुलाबकोटी में वाहनों को रोक दिया। पागलनाला में आए मलबे को एनएचआईडीसीएल की दो जेसीबी से साफ किया गया। यहां पूर्वाह्न करीब 11 बजे तक हाईवे सुचारु कर दिया गया मगर गुलाबकोटी में मलबे को हटाने में मजदूरों और मशीन संचालकों के पसीने छूट गए। पगनों गांव से आया मलबा हाईवे तक पहुंच गया जिससे हाईवे पर करीब 200 मीटर तक मलबा भर गया।

देखते ही देखते हाईवे के दोनों ओर से वाहनों की लंबी लाइन लग गई। पुलिस प्रशासन की ओर से वाहनों को मायापुर, पीपलकोटी, पाखी, लंगसी, ज्योतिर्मठ और हेलंग में ही रोक लिया गया। यहां करीब 8000 तीर्थयात्री फंसे रहे। कार्यदायी संस्था की दो जेसीबी और एक पोकलेन मशीन के जरिये गुलाबकोटी में मलबा हटाया गया। इसके बाद शाम करीब साढ़े चार बजे वाहनों की आवाजाही सुचारु हो सकी। हाईवे खुलने पर तीर्थयात्रियों ने राहत की सांस ली। वहीं ज्योतिर्मठ के तहसीलदार महेंद्र ने बताया कि हाईवे को खोल दिया गया है। बारिश होने पर उंचाई वाले क्षेत्रों से बहने वाले बरसाती गदेरों से मलबा हाईवे पर आ रहा है। हाईवे के भूस्खलन क्षेत्रों में मैनपावर और जेसीबी की तैनाती की गई है।

स्कूल में लंगूर ने शिक्षिका को काटा

पोखरी (चमोली)। प्राथमिक विद्यालय कांडई चंद्रशिला में तैनात सहायक अध्यापिका पर लंगूर ने हमला कर काट दिया। परिजन उन्हें उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग लेकर गए। उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

कांडई चंद्रशिला के ग्राम प्रधान भरत सिंह भंडारी ने बताया कि विद्यालय की सहायक शिक्षिका पूजा चौधरी सुबह विद्यालय पहुंचीं। इसी दौरान विद्यालय परिसर के आड़ू के पेड़ पर लंगूर बैठे थे। उनमें से एक लंगूर ने अचानक शिक्षिका पर हमला कर दिया। लंगूर ने शिक्षिका के बाल खींचकर उनके कंधे पर काट दिया। विद्यालय की दूसरी सहायक शिक्षिका, भोजन माता व बच्चों ने शोर मचाकर लंगूर को भगाया।

सूचना पर मौके पर पहुंचे शिक्षिका के पति बृजेंद्र चौधरी उन्हें उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग ले गए। बृजेंद्र चौधरी ने बताया कि चिकित्सकों ने उन्हें एंटी रैबीज का टीका लगाया। ग्राम प्रधान ने इस संबंध में केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग की नागनाथ रेंज के वनक्षेत्राधिकारी को पत्र लिखकर क्षेत्र में लंगूर व बंदरों के से निजात दिलाने की मांग की। वहीं वन क्षेत्राधिकारी कपिल गुसांई ने बताया कि सूचना पर कर्मचारियों को गांव में भेजा गया है। स्थिति का आकलन कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मानसून संग दुश्वारियों ने पकड़ी रफ्तार

हल्द्वानी। मानसून के रफ्तार पकड़ने के साथ ही गर्मी से राहत तो मिली है लेकिन जलभराव समेत अन्य दुश्वारियों ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बुधवार को दो घंटे की झमाझम बारिश से शहर में जगह–जगह जलभराव हो गया। बरेली रोड पर गौजाजाली में नहर में कचरा भरने से पानी हाईवे के साथ ही वार्ड–60 की गलियों में घुस गया। सूचना पर वार्ड पार्षद के साथ ही नगर निगम और यूयूएसडीए के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन की मदद से नहर की सफाई कराई गई। इसके बाद पानी की निकासी हो पाई और आसपास के लोगों को राहत मिली।

शहर में बुधवार को सुबह से हो रही बारिश के बीच नैनीताल रोड तिकोनिया के पास सड़क पानी से लबालब हो गई। ड्रेनेज व्यवस्था दुरुस्त न होने के कारण चौराहे पर बने कांप्लेक्स के बेसमेंट में बरसाती पानी घुस गया। इससे स्थानीय व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आंवला चौकी क्षेत्र में खेतों में पानी भरने से मुसीबत खड़ी हो गई। कालटैक्स काठगोदाम में भी बारिश का पानी नालियों के इतर सड़क पर बहता रहा। इस बीच आसपास की छह से अधिक दुकानों में पानी घुस गया। यहां सीवरेज कार्य के चलते निकासी प्रभावित हो रही है।

रणजीत सिंह नेगी बने नैनीताल के जिला शिक्षा अधिकारी

हल्द्वानी। उत्तराखंड शासन ने मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा विभाग के पांच वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले कर दिए। सचिव रविनाथ रमन की ओर से जारी आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभार ग्रहण करना होगा। रणजीत सिंह नेगी को नैनीताल के जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

विनोद प्रसाद सिमल्टी अपर शिक्षा निदेशक को अब उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर के साथ–साथ प्रभारी निदेशक माध्यमिक शिक्षा का दायित्व दिया गया है। कुंवर सिंह रावत अपर शिक्षा निदेशक को प्रभारी निदेशक प्रारंभिक शिक्षा और अपर राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। विनोद कुमार ढौंडियाल संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं सीईओ देहरादून को प्रभारी सचिव उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर बनाया गया है।

स्वरोजगार दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का हुआ सफल आयोजन

सामाजिक उद्यमी स्व विजय सुन्दरियाल एवं क्रान्तिकारी स्व ऋषि बल्लभ सुन्दरियाल को अर्पित किये श्रद्धासुमन

देहरादून। दून लाइब्रेरी एवं शोध केंद्र में टूरिस्ट संदेश फाउंडेशन द्वारा सुन्दरियाल प्रोडक्शन के सहयोग से स्वरोजगार दिवस पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, पद्मश्री पर्यावरणविद् कल्याण सिंह रावत मैती की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लैंसडाउन विधानसभा विधायक, महंत दिलीप सिंह रावत, उत्तराखंड राज्य आंदोलनों के मजबूत स्तंभ एवं पूर्व राज्य मंत्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह, धाद संस्था के संस्थापक एवं सामाजिक कार्यकर्ता लोकेश नवानी, उत्तराखंड राज्य के वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता चारू तिवारी के रूप में उपस्थित थे। स्वरोजगार दिवस मुख्य उद्देश्य सुंदरियाल प्रोडक्शन की वर्तमान समय में बागडोर संभालने वाले श्री मनीष सुंदरियाल के द्वारा अपने ग्रामीण स्वरोजगार की 25वीं सालगिरह और सुंद्रियाल प्रोडक्शन हाउस के संस्थापक स्वर्गीय श्री विजय सुंद्रियाल एवं क्रान्तिकारी ऋषि बल्लभ सुन्दरियाल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। देहरादून। आज दिनांक 1 जुलाई 2026 को टूरिस्ट संदेश फॉउण्डेशन द्वारा सुन्दरियाल प्रोडक्शन के सहयोग से स्वरोजगार दिवस(1 जुलाई) एवं सुन्दरियाल प्रोडक्शन की रजत जयंती के अवसर पर उत्तराखण्ड के सामाजिक उद्यमी एवं सुन्दरियाल प्रोडक्शन के संस्थापक स्व. विजय सुन्दरियाल एवं क्रान्तिकारी स्व. ऋषि बल्लभ सुन्दरियाल की पुण्य स्मृति में सामाजिक उद्यमिता पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पर्वतीय क्षेत्रों में सामाजिक उद्यमिता विकास पर चर्चा की गयी ।

सामाजिक उद्यमिता पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि, कृषि एवं बागवानी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। इसके लिए प्रेशर ग्रुप बनाया जाना चाहिए। पर्वतीय क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने तथा तृणमूलार्थी लोकल एकोनामी पर काम पर करने की आवश्यकता है। कृषि के क्षेत्र में

अगेती फसलों पर काम होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के लिए वैकल्पिक फलों पर काम होना चाहिए। उपभोक्ता से उत्पादक बनने के लिए लोकल फोर वोकल पर काम करने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में

हमारे पहाड़ घोर आतंक एवं अनुत्पादक हो होते जा रहे हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने के लिए स्थानीय संसाधनों का सही उपयोग होना चाहिए।

कार्यक्रम में ग्रामीण स्वरोजगार जल ,जमीन और जंगल के साथ पर्यावरण का संरक्षण के क्षेत्र में अपना अतुलनीय योगदान देने वाले मनीषियों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाले अतिथि

1. सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए – सामाजिक संस्था 'धाद'
2. साहित्य के क्षेत्र में – श्री शान्ति प्रकाश 'जिज्ञासू', वरिष्ठ साहित्यकार
3. सामाजिक पत्रकारिता के क्षेत्र में – श्री चारु तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार
4. सामाजिक उद्यमी – श्रीमती दीपिका डोभाल, महिला उद्यमी
5. पर्यावरण एवं जल संरक्षण के साथ सामाजिक सेवाओं के लिए – श्री सुधीर सुन्दरियाल, फील गुड/भलु लगद संस्था के संस्थापक
6. राष्ट्र कर्तव्यनिष्ठा के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए – श्री शान्ति प्रसाद नौटियाल, पूर्व संयुक्त आयुक्त, राज्य कर विभाग उत्तराखण्ड एवं सामाजिक चिंतक
7. सामाजिक पत्रकारिता के लिए – श्री नागेन्द्र उनियाल, पिछले 47 सालों से गढ़वाल की आवाज बना दैनिक समाचार पत्र जयन्त ने जनपक्षिया पत्रकारिता के माध्यम से निरन्तर जनसेवा में सक्रिय
8. पर्यावरण संरक्षण के लिए – श्री त्रिलोक चंद सोनी, पर्यावरणविद्

वेतन के लिए अनिश्चितकालीन धरना शुरू

ऋषिकेश। बकाया वेतन देने की मांग को लेकर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ऋषिकेश डिपो की ओर से एजीएम कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया है। कर्मचारियों ने कहा कि जल्द ही वेतन जारी न हुआ तो बसों का संचालन भी बंद किया जा सकता है।

रोडवेज ऋषिकेश डिपो में करीब 110 स्थाई कर्मचारियों को मई और जून माह का वेतन जारी नहीं हुआ। जिससे कर्मचारियों के सामने बच्चों की स्कूल की फीस, दूध, अखबार, एलआईसी की किस्त, कार की किस्त, आवास लोन की किस्त, परचून का सामान खरीदने में परेशानी हो रही है।

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के शाखा मंत्री आकाश गुप्ता ने कहा कि वेतन को लेकर उन्होंने डिपो की प्रभारी सहायक महाप्रबंधक अंजलिका शर्मा के साथ बैठक की लेकिन एजीएम की ओर से वेतन को लेकर लिखित में आश्वासन न देने पर नाराज कर्मचारी नारेबाजी कर एजीएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। गुप्ता ने कहा कि वेतन न मिलने से कर्मचारियों के सामने परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो गया है।

मॉक ड्रिल : प्रशासन और एसडीआरएफ ने नौ लोगों का किया रेस्क्यू

डोईवाला। संभावित आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए प्रशासन की संयुक्त टीम ने नागल–ज्वालापुर दूधली क्षेत्र में व्यापक मॉक ड्रिल की। मॉक ड्रिल के दौरान 150 मिलीमीटर वर्षा की काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें सुसवा नदी में नौ लोगों के फंसने का परिदृश्य तैयार किया गया था।

बृहस्पतिवार को सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी अपर्णा ढौंडियाल के नेतृत्व में प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग के अलावा गांव के तमाम लोग मौके पर पहुंचे। भारी पानी के कारण सुसवा नदी में नौ लोग बुरी तरह से फंस चुके थे। तत्काल सभी विभागों ने आपसी समन्वय के साथ तेजी से रेस्क्यू अभियान को शुरू किया।

नदी में फंसे सभी नौ लोगों को सुरक्षित

बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। मॉक ड्रिल के दौरान राहत और बचाव कार्य की गति, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और आपदा प्रबंधन की तैयारियों का भी आकलन किया गया। अभियान के सफल संचालन के बाद उपजिलाधिकारी अपर्णा ढौंडियाल ने कहा कि सभी विभागों के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला।

डॉक्टर्स दिवस एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस धूमधाम से मनाया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रोटरी क्लब कोटद्वार के तत्वावधान मे डॉक्टर्स दिवस एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर 6 डॉक्टर्स व 4 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानित किया गया।

रोटरी अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा गुप्ता व सचिव वीना रावत के नेतृत्व में रोटरी टीम ने सभी सम्मानित अतिथिओ को उनके क्लीनिक व कार्यालयो में जाकर सम्मानित किया । इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2026झ27 का प्रथम दिवस सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को समर्पित रहा। उन्होने कहा कि डॉक्टर्स अपने ज्ञान , सेवा और समर्पण से समाज को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते है । रोटरी परिवार ने डॉक्टर्स दिवस व चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस के अवसर पर समाज के प्रतिष्ठित चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान कर नए रोटरी वर्ष की सार्थक शुरुआत की।

इस अवसर पर छह प्रतिष्ठित चिकित्सकों बेस चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा

अधीक्षक डॉ. विजय सिंह, डॉ. विजय मैठाणी, डॉ. एन पी पोखरियाल, डॉ. आशीष अग्रवाल, डॉ. दिनेश कुमार सिंह एवं डॉ. मनोज अग्रवाल तथा चार विशिष्ट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स–रोभ् अवधेश अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, सारांश बंसल एवं रूचिन सिंघल को समाज के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान एवं समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सभी सम्मानित अतिथियों को बाँस काज पौधा भेंट किया, जो विकास, दृढ़ता एवं समृद्धि का प्रतीक है। साथ ही उन्हें प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर उनके अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

इस प्रेरणादायी कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक रोभ् डी. पी. सिंह एवं रोभ् विजय कुमार माहेश्वरी की विशेष भूमिका रही।

इस अवसर पर अध्यक्ष रो भ् प्रतिभा गुप्ता , सचिव रोभ् वीना रावत, कोषाध्यक्ष रोभ् धनेश अग्रवाल, संयोजक रोभ् डी पी सिंह, रोभ् विजय कुमार माहेश्वरी ,रोभ् ऋषि ऐरन , रोभ् विजय कुमार , रोभ्अनीत चावला, रोभ् गोपाल बंसल, रोभ् मनीष अग्रवाल, रोभ् अशोक अग्रवाल, रोभ् विपिन बक्शी तथा रोभ् अनिल भोला इत्यादि सदस्यो ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

देवपुरी गांव में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

गैरसैण। विकासखंड के देवपुरी गांव में हाल ही में हुई एक हत्या के बाद ग्रामीण सहमे हैं। इस घटना के मद्देनजर गांव की महिला प्रधान किरन देवी ने ग्रामीणों की रायशुमारी के बाद पूरे गांव में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। पुलिस प्रशासन भी ग्रामीणों का भय दूर करने के लिए जागरूकता शिविर आयोजित करने की बात कही है।

देवपुरी के राजेंद्र कंडारी की हत्या के मामले का बीते एक जुलाई को पुलिस ने खुलासा किया और हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया। मगर इस घटना से गांव में दहशत बनी है। ग्राम प्रधान किरन देवी ने कहा कि ग्रामीणों की सहमति के बाद गांव में 15 से 20 सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर में मिला युवक का शव

डोईवाला। पंचवटी कॉलोनी क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव घर से बरामद किया गया है। प्रथम दृष्टया पुलिस आत्महत्या का मामला मान रही है। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। बृहस्पतिवार की सुबह पुलिस को पंचवटी कॉलोनी में एक शव होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक मनोहर सिंह रावत ने बताया कि शव की पहचान विनय लोधी (26) निवासी पंचवटी कॉलोनी के रूप में हुई है। एसएसआई ने बताया कि शव पंखे के कुंडे में चुन्नी से लटका हुआ था। मृतक विनय के माता–पिता का देहांत हो चुका है। वह पंचवटी कॉलोनी में अपनी मौसी के साथ रहता था। देर रात जिम से वापस लौटा था। पुलिस को उसके पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने किसी को दोषी नहीं बताया है। वरिष्ठ उपनिरीक्षक ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। बीते दिवस विनय किन लोगों से मिला था। पुलिस उनसे भी पूछताछ कर सकती है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बिजली तार टूटने की सूचना पर काटी बिजली

हल्द्वानी। कमलुवागांजा बिजलीघर के मुखानी फीडर से जुड़े जेकेपुरम क्षेत्र में विद्युत तार टूटने की सूचना पर यूपीसीएल ने बिजली काट दी। ऊर्जा निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो पता चला कि उपभोक्ता के कनेक्शन वाली तार टूटी है। अधिशासी अभियंता एसके गुप्ता ने बताया कि वास्तविकता पता चलने पर मुखानी फीडर की बिजली सुचारु कर दी गई थी। इसके कारण पीलीकोठी, परमानंद विहार, श्रीजी विहार आदि कालोनियों में करीब आधा घंटा बिजली बाधित रही।

खुद को पत्रकार बताकर मांगी रंगदारी, गिरफ्तार

ऋषिकेश। दो लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को पत्रकार बताते हुए भवन निर्माण कार्य की शिकायत करने की धमकी देकर भवन स्वामी से रुपयों की मांग कर रहा था। रूषाफार्म गुमानीवाला श्यामपुर निवासी संदीप पंवार ने इस संबंध में कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। संदीप कुमार ने पुलिस को बताया कि गुमानीवाला में उनका भवन निर्माण कार्य चल रहा है। बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति उनके भवन निर्माण स्थल पर पहुंच और अपना नाम मनीष शर्मा बताया और स्वयं को पत्रकार बताते हुए निर्माण कार्य की वीडियो बनाने लगा। उक्त व्यक्ति ने शिकायत कर कार्रवाई कराने की धमकी देते हुए कार्रवाई से बचने के लिए दो लाख रुपयों की मांग की। संदीप ने बताया कि विरोध करने पर आरोपी ने गाली–गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। शोर–शराबा होने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और आरोपी को पकड़कर चौकी श्यामपुर ले आए। प्रभारी निरीक्षक यशपाल बिष्ट ने बताया कि आरोपी मनीष शर्मा के खिलाफ रंगदारी मांगने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

रानीपोखरी क्षेत्र में 136 दिन से जारी है ग्रामीणों का प्रदर्शन

जौलीग्रांट। विधि विश्वविद्यालय के लिए रानीपोखरी क्षेत्र के ग्रामीण 136 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शासन–प्रशासन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहा है।

रानीपोखरी में लॉ यूनिवर्सिटी बनाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की ओर से दो मार्च 2019 को रेशम विभाग की करीब दस एकड़ भूमि पर शिलान्यास किया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि इस भूमि को सौंग बांध प्रभावितों को दे दिया गया है।

संबंधित भूमि की नाप–जोख के वक्त दर्जनों ग्रामीणों ने वहां पहुंचकर हंगामा भी किया था। ग्राम प्रधान संगठन अध्यक्ष अनूप चौहान ने कहा कि कुछ दिन पूर्व क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल की ओर से विधि विश्वविद्यालय की मांग को लेकर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत से मुलाकात की गई थी।

क्षेत्रीय सांसद की ओर से मुख्यमंत्री को इस संबंध में पत्र भी भेजा गया था लेकिन अभी तक मांग पूरी नहीं हुई है। कहा कि दिवंगत राजेंद्र शाह इंटर कॉलेज के पास 65 बीघा रेशम विभाग की भूमि सिडकुल को विकास कार्यों के लिए दी गई थी लेकिन जब इस पर कोई कार्य नहीं हुआ तो वापस यह जमीन रेशम विभाग को मिल चुकी है।

इसके अलावा घमंडपुर में सीलिंग की करीब 130 बीघा भूमि मौजूद है। इसलिए विधि विवि बनाने के लिए जमीन की कहीं कोई कमी नहीं है। सभी ग्राम प्रधान और ग्रामीण इसके लिए पूरा सहयोग करने को तैयार हैं।

तीन हजार पेड़ों का कटान शुरू, कांग्रेस खफा

जौलीग्रांट। भानियावाला से लेकर ऋषिकेश तक करीब 19 किलोमीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। बीरपुर मोड़ बडकोट वन रेंज से लेकर नटराज चौक से पहले वन बैरियर तक मार्ग चौड़ीकरण के लिए करीब तीन हजार पेड़ों का कटान शुरू कर दिया गया है, जिसका कांग्रेस ने विरोध किया है।

परवादून कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने मौके पर जाकर वृक्षों के कटान का जायजा लेने के बाद कहा कि इस 19 किलोमीटर मार्ग पर करीब आठ किलोमीटर के हिस्से में संरक्षित प्रजाति के हजारों पेड़ों को काटा जा रहा है। इस आठ किलोमीटर हिस्से में जंगल के ऊपर फ्लाईओवर बनाकर जंगल को बचाया जा सकता था। इससे वन्यजीव वाहनों की चपेट में भी नहीं आते और उनके प्राकृतिक वास भी प्रभावित नहीं होते। प्रकृति, पर्यावरण और पेड़ बचाकर विकास किया जाना चाहिए। कई राज्यों और विदेशों में इस तरह की विकास परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की गई हैं। उनियाल ने कहा कि देहरादून और उससे जुड़े दूसरे छोटे शहरों पर आबादी का बोझ बढ़ता जा रहा है। जबकि पेड़ और जंगल लगातार कम हो रहे हैं। क्षेत्र का तापमान चालीस पार जाना आम बात हो गई है।

बरसात में चुनौती बनेगा राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर, पग-पग पर खतरा

कोटद्वार से गुमखाल के मध्य बदहाल स्थिति में पड़ा है राष्ट्रीय राजमार्ग, कई स्थानों पर नीचे से लगातार खोखला होता जा रहा है राष्ट्रीय राजमार्ग

कोटद्वार दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर खाई में झाड़ियों के बीच गिरा संकेतक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः आमजन के जीवन को लेकर सरकारी सिस्टम कितना लापरवाह है। इसका उदाहरण कोटद्वार से गुमखाल के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति को देखकर लगाया जा सकता है। तीस किलोमीटर के इस सफर में बीस से अधिक डेंजर जोन बने हुए हैं। कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग नीचे से खोखला होता जा रहा है। ऐसे में वर्षाकाल के दौरान कब पूरा मार्ग खोह नदी में समा जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। पूर्व में हुए हादसों के बाद भी सरकारी सिस्टम ने हाईवे मरम्मत की सुध तक नहीं ली। जबकि, कोटद्वार से गुमखाल के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पहाड़ी की लाइफ लाइन है। कोटद्वार से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन हाईवे का सफर कर पहाड़ चढ़ते हैं। लेकिन, राष्ट्रीय राजमार्ग की बदहाली वाहन चालकों के लिए चुनौती बन रही है। दरअसल, वर्षा काल में अतिवृष्टि के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग जगह–जगह क्षतिग्रस्त हो गया था। हाईवे पर बीस से अधिक डेंजर जोन बन गए थे। साथ ही कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा खोह नदी में समा गया था। हालांकि कुछ स्थानों पर सरकारी सिस्टम में पुश्तों का निर्माण करवाया। लेकिन, अधिकांश स्थानों पर अब भी डेंजर जोन बना हुआ है। हाईवे की बात करें तो सिद्धबली से आगे पुलिया पार करते ही हाईवे पर बड़े-बड़े गड्ढों से स्वागत हो रहा है। इससे कुछ दूर आगे चलते ही पैराफिट नहीं होने के कारण वाहन कब खोह नदी में समा जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। लालपुल से करीब एक किलोमीटर आगे हाईवे का हिस्सा नीचे से दरक रहा है। आवागमन करने वालों ने उक्त स्थान पर पत्थर लगाए हुए हैं। बरसाती रपटे से करीब पांच सौ मीटर पहले से ही रास्ता बदहाल पड़ा हुआ है। पहाड़ी से पत्थर गिरने का डर बना है। साथ ही हाईवे पर मिट्ट व गड्ढे चुनौती बन रहे हैं। दोपहर के समय धूल उड़ने के कारण वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां से करीब दो किलोमीटर आगे आमसौड़ से पहले दो स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने पुश्ते का निर्माण तो करवाया। लेकिन, हाईवे पर डामर नहीं बिछाया। नतीजा,हाईव पर गड्ढे व मिट्टी बन हुई है। यही स्थिति दुगड्डा से गुमखाल के बीच बनी हुई है। डेंजर जोन में कहीं भी पैराफिट व संकेतक नजर नहीं आ रहे। क्रेखाल से एक किलोमीटर आगे हाईवे का हिस्सा नीचे से दरक रहा है। वहीं, देवीखाल से करीब एक किलोमीटर पहले वर्षा काल के दौरान हाईवे का हिस्सा ढह गया था। जिसके मरम्मत की अब तक कोई सुध नहीं ली गई।

हाईवे पर अब तक हुए हादसे

1. 23 नवंबर 2025 को कोटद्वार दुगड्डा के मध्य आमसौड़ के समीप एक डंपर खाई में गिर गया था। हादसे में चालक की मौत हो गई थी
2. चार अगस्त 2025 को कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य तिलबाढांग चैक पोस्ट के समीप पहाड़ी से एक बोल्डर मैक्स के ऊपर गिर गया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि, हादसे के बाद सिस्टम ने उक्त स्थान पर पहाड़ी से पत्थर गिरने का संकेतक लगा दिया था।
3. जून 2025 में आमसौड़ के समीप सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ऊपर पहाड़ी से पत्थर गिर गया था, जिसमें डंपर में सवार व्यक्ति की मौत हो गई थी।
4. बीते वर्ष लालपुल के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खोह नदी में गिर गई थी, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई थी।
5. दुगड्डा के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी, जिसमे नगीना तहसील में तैनात लेखपाल सहित दो युवकों की मौत हो गई थी।

एक नजर

गाड़ीघाट में बंद मकान से नगदी व जेवरात चोरी, पुलिस ने शुरू की जांच

परिवार से जानकारी लेती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत गाड़ीघाट मोहल्ले में चोरों ने एक बंद को निशाना बनाते हुए नगदी, जेवरात और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गाड़ीघाट निवासी उमेश चंद्र अपने परिवार के साथ ग्रीष्मावकाश के दौरान कुछ दिन पहले गांव गए हुए थे। गुरुवार को जब परिवार वापस घर लौटा तो मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। घर के अंदर जाने पर अलमारी खुली हुई थी और उसमें रखी नगदी, जेवरात सहित अन्य कीमती सामान गायब था। घर का सामान भी बिखरा पड़ा मिला। पीड़ित परिवार ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बाजार चौकी प्रभारी विनोद चपराना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। चौकी प्रभारी विनोद चपराना ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि परिवार के घर से बाहर होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

जसपाल राणा के नाम होगा नैनबाग महाविद्यालय : डॉ. रावत

नैनबाग (टिहरी)। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने नैनबाग के चिलामू गांव पहुंचकर पूर्व खेल मंत्री नारायण सिंह राणा और परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने निशानेबाज जसपाल राणा और उनकी मां श्यामा देवी के निधन पर गहरा दुख जताया। कहा कि स्व. जसपाल राण ने देश–दुनिया में भारत का नाम रोशन किया था। इस दौरान स्थानीय लोगों ने शिक्षा मंत्री डॉ. रावत से नैनबाग महाविद्यालय का नामकरण स्व. जसपाल राणा के नाम से करने की अपील की जिस पर मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि यह यह उच्च शिक्षा और नैनबाग महाविद्यालय के लिए गर्व की बात होगी। क्योंकि जसपाल राणा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और कोच थे। यह उनको सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी। मंत्री ने उच्च शिक्षा निदेशक से दूरभाष पर वार्ता कर इसका प्रस्ताव तैयार कर जल्द उपलब्ध कराने के कहा। कहा कि जल्द ही कैबिनेट बैठक में इस प्रकरण को लाकर नैनबाग महाविद्यालय का नामकरण स्व. जसपाल राणा के नाम से किया जाएगा। इस मौके पर डीसीबी के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चंद रमोला, नरेश पंवार, जिला पंचायत सदस्य रामदयाल शाह, महामंत्री सुनील सेमवाल, मुन्ना पंवार आदि मौजूद रहे।

भागीरथीपुरम में हर सप्ताह लगेगा टीएचडीसी का विशेष स्वास्थ्य शिविर

नई टिहरी। टिहरी बांध प्रभावित क्षेत्र के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए टीएचडीसी अब हर सप्ताह भागीरथीपुरम में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा। शिविर में हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट के विशेषज्ञ डॉक्टर लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाई उपलब्ध करांएगे। शिविर आयोजित करने के लिए टीएचडीसी व हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट के मध्य एमओयू हुआ है। पहली बार चार जुलाई को शिविर आयोजित किया जाएगा। टीएचडीसी के सीजीएम आरआर सेमवाल ने बताया कि जिला अस्पताल बौराड़ी में ईएनटी विशेषज्ञ चिकित्सक का पद एक वर्ष से रिक्त चल रहा है। ऐसी स्थिति में लोगों को ऋषिकेश और देहरादून उपचार के लिए जाना पड़ता है। एमओयू के अनुसार मरीजों का पंजीकरण आभा–आईडी के माध्यम से किया जाएगा जिसके लिए हिमालयन अस्पताल के कार्मिक टीएचडीसी के कार्मिकों को प्रशिक्षण देंगे। इस मौके पर सीजीएम (कारपोरेट) डॉ. एएन त्रिपाठी, डीजीएम मोहन सिंह श्रीस्वाल, प्रबंधक मनवीर सिंह नेगी मौजूद रहे।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के लिए की मॉक ड्रिल

नई टिहरी। आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सुदृढ़ बनाने और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के के लिए जिले में भी आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। एडीएम शैलेंद्र नेगी ने बताया कि मॉक ड्रिल के दौरान भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी आपदा की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। आपदा की काल्पनिक स्थिति के तहत घनसाली तहसील में ग्राम जखन्याली में बादल फटना एवं भूधंसाव, देवप्रयाग में एनएच 07 पर ग्राम मुल्यागांव में सड़क दुर्घटना, नरेंद्रनगर तहसील के बगड़धार में भूस्खलन होने से मार्ग अवरुद्ध, कंडीसौड़ तहसील के स्यांसू में मार्ग अवरुद्ध, टिहरी बांध से अतिरिक्त जल निकाली की स्थिति से निपटने की तैयारियां परखी गई जिससे वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रभावी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। एसएसपी श्वेता चौबे, डॉ. श्याम विजय, एएसपी दीपक कुमार, एसडीएम कमलेश मेहता आदि उपस्थित रहे।

रजिस्ट्री नहीं कराई तो दस गुना तक लगेगी पेनाल्टी : एडीएम

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी अध्यक्षता में रजिस्ट्रीकरण को लेकर बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि स्टांप शुल्क और रजिस्ट्रीकरण नियमों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसा नहीं करने पर 10 गुना तक की पेनाल्टी लगाई जाएगी। एडीएम ने बताया कि एक वर्ष से कम अवधि की लीज का अनुबंध 100 रुपये के स्टांप पर किया जा सकता है जबकि एक वर्ष से अधिक अवधि की लीज का उप निबंधक कार्यालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। उन्होंने जिला पर्यटन अधिकारी सोबत सिंह राणा को सभी होटलों एवं पर्यटन प्रतिष्ठानों की समीक्षा कर लीज पर संचालित प्रतिष्ठानों का विधिवत पंजीकरण सुनिश्चित कराने को कहा।

प्रवेश कुमार का इंडियन नेवी में हुआ चयन,दी शुभकामनायें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के संगीत विभाग की छात्र प्रवेश कुमार का भारतीय नौ सेना इंडियन नेवी मे म्यूजिशियन के पद पर चयन होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ डीएस नेगी तथा महाविद्यालय मे संगीत विभाग की विभागध्यक्ष डॉ चंद्रप्रभा भारती ने शुभकामनायें देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है । डॉ चंद्रप्रभा भारती ने बताया कि उनका स्थानांतरण पीजी कॉलेज गोपेश्वर हो गया हैं । उन्होंने महाविद्यालय के प्राचार्य समस्त सम्मानित प्राध्यापक गण कर्मचारी गण तथा विद्यार्थियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपके मध्य सर्णिम समय व्यतीत करते हुए बहुत अनुभव प्राप्त हुआ। आप के द्वारा अपार समर्थन प्राप्त हुआ ,उसकी सदैव मै आभारी रहूंगी । मेरा सहयोग और आत्मीयता सदैव इस संस्थान के प्रति रहेगी । इस अवसर पर डॉ. जुनीश कुमार, डॉ. हीरा सिंह, डॉ. मीनाक्षी वर्मा, अरविन्द दुदपुड़ी ,पुष्कर चंद्र ,अनीता रावत, दीपशिखा, नैनशी, आभास, आकाश, परीक्षित ,आशा, श्रृष्टि, शिक्षा,आशीष, आयुष, रेशब, ने भी प्रवेश कुमार के चयन पर शुभकामनायें प्रेषित की हैं।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर डॉ. भरत वीर और डा. आई.एस. सामंत सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कुमाऊंनी सामाजिक एवं सांस्कृतिक मैत्री समिति की ओर से राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए डॉ. भरत वीर और डॉ. आई.एस. सामंत को सम्मानित किया गया। समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष हुकम सिंह नेगी ने कहा कि डॉ. भरत वीर ने मां कामाख्या मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सालय की स्थापना कर कोटद्वार और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि डॉ. भरत वीर का सेवा भाव, मानवीय दृष्टिकोण और समाज के प्रति समर्पण उन्हें क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सकों की श्रेणी में स्थापित करता है। बताया कि डॉ. आई.एस. सामंत ने वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ तथा राजकीय बेस चिकित्सालय, कोटद्वार के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के रूप में लंबे समय तक अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं। बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को समाज सदैव याद रखेगा।

टिहरी जिले को मिले 21 विशेषज्ञ चिकित्सक

नई टिहरी। स्वास्थ्य विभाग ने जिले में 21 विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति कर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का बड़ा कदम उठाया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों को जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल और विभिन्न सीएचसी में नियुक्त किया गया है। अब निश्चित ही मरीजों को स्थानीय स्तर पर सही उपचार मिल सकेगा।

छावनी परिषद् लैन्सडौन

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है छावनी परिषद् द्वारा रेस्टोरेन्ट जो कि निकट टिप-इन-टॉप परिसर में स्थित है कि निविदा देय तिथि से 05 वर्षो हेतु नीलाम के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार से हैः-

कोटेशन फार्म ऑन लाइन भरने की तिथि	27/07/2026 (दोपहर 1500 बजे तक)
कोटेशन खोलने की तिथि	28/07/2026 (दोपहर 12.30 बजे तक)
अग्रिम धनराशि (FDR/STDR के द्वारा)	रू0 20,000/-
टेण्डर फार्म शुल्क	रू0 1770/-

1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेवसाईट पर ऑन लाईन भरे जाएगे।
2. संबंधित अन्य शर्ते कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।

पत्रांक 2000/दुकान/छा0परि0 — **मुख्य अधिशासी अधिकारी**
कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन — **छावनी परिषद् लैन्सडौन**
दिनॉक जुलाई 2026

कार के ऊपर गिरा बोल्डर, एक ही परिवार के पांच लोग बाल-बाल बचे

गुमखाल–सतपुली के मध्य बोल्डर गिरने से क्षतिग्रस्त कार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सतपुली- गुमखाल के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। तीन दिन पूर्व जहां एक बोलेरो वाहन के ऊपर बोल्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत व दो अन्य घायल हो गए थे। वहीं, गुरुवार को भी एक कार के ऊपर बोल्डर गिर गया। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

गुरुवार दोपहर एक कार सतपुली से कोटद्वार की ओर जा रही थी। मल्ली सतपुली के समीप अचानक सड़क पर आए मलबे में कार फंस गई। चालक वाहन को मलबे से निकालने का प्रयास कर ही रहा था कि तभी पहाड़ी से एक बड़ा बोल्डर कार के ऊपर आ गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल कार में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। एसडीआरएफ के उपनिरीक्षक सबर सिंह नेगी ने बताया कि कार में सवार सभी लोग थलीसैंण क्षेत्र के निवासी हैं और अपने गांव किर्खू पांग से दिल्ली जा रहे थे। हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में चालक विनोद के अलावा संपत्ति देवी (68 वर्ष), दिलबर सिंह (46 वर्ष), करिश्मा नेगी (36 वर्ष), प्रशांत नेगी (13 वर्ष) और ओजस नेगी (8 वर्ष) सवार थे। वहीं, इसी क्षेत्र के समीप तीन दिन पहले भी एक कार पर भारी बोल्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य घायल हो गए थे।

लगातार हो रही घटनाओं के बाद कार्यदायी संस्था ने एक दिन पूर्व रात के समय पहाड़ी पर लटके खतरनाक बोल्डरों को हटाने के लिए कुछ समय के लिए यातायात भी बंद कराया था। इसके बावजूद मार्ग पर खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षाकाल में इस क्षेत्र में हादसों की आशंका और बढ़ सकती है। उन्होंने प्रशासन से स्थायी सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की है।

लगातार हो रही बारिश से बढ़ा नदी का जलस्तर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः श्रीनगर क्षेत्र में गुरुवार सुबह से रुक–रुककर बारिश का दौर जारी रहा। कभी हल्की बूंदाबांदी तो कभी तेज फुहारों ने मौसम को सुहावना बना दिया, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। लगातार बादल छाए रहने से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। वहीं बारिश का असर अलकनंदा नदी के जलस्तर पर भी दिखा, जिसमें हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सिंचाई विभाग के अनुसार वर्तमान में अलकनंदा का जलस्तर 532.40 मीटर है, जबकि चेतावनी सीमा 535 मीटर और खतरे की सीमा 536 मीटर निर्धारित है। सहायक अभियंता विजयपाल कैंतुरा ने बताया कि स्थिति फिलहाल सामान्य है और विभाग लगातार नदी के जलस्तर की निगरानी कर रहा है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी पोखड़ा गढ़वाल

पत्रांक 355/2-लेखा/मु0म0प0रो0यो0/विज्ञप्ति/2026-27 दिनांक 30-06-2026

अल्पकालीन निविदा

मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना वर्ष 2025-2026 में स्वीकृत निम्नलिखित कार्य के सम्पादन हेतु इस कार्यालय में पंजीकृत फर्मो/आपूर्तिकताओं/ठेकेदारों से दिनांक 01-07-2026 से दिनांक 14-07-2026 प्रातः 12 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनांक 14-07-2026 को सायं 3 बजे से फर्मो/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी की उपस्थिति और नामित समिति के सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा फार्म के साथ रू0 100/ का स्टाम्प पेपर तथा स्वीकृत धनराशि के 2 प्रतिशत की राशि सी0डी0आर0 के रूप में जो कि खण्ड विकास अधिकारी पोखड़ा के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है अन्यथा की स्थिति में इसे निरस्त समझा जायेगा। निविदा संबंधी जानकारी तथा निविदा फार्म इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को दिनांक 13-07-2026 तक प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा फार्म का मूल्य 1180.00 रू0 जीएसटी सहित है। कार्यो को बाण्ड की तिथि से 30 दिन में अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।

क्रमांक	कार्य का नाम	स्वीकृत लागत
1	ग्राम भदूली में चेन लिंक फेन्सिग, मत्स्य तालाब व गूल निर्माण कार्य।	8.00 लाख

उक्तानुसार निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।

खण्ड विकास अधिकारी
पोखड़ा गढ़वाल।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

Tender No. Date	102-DRM-MB-26-27 dt. 01.07.2026	103-DRM-MB-26-27 dt. 01.07.2026	104-DRM-MB-26-27 dt. 01.07.2026	105-DRM-MB-26-27 dt. 01.07.2026	106-DRM-MB-26-27 dt. 01.07.2026
Name of Work	(Zone no. 1 MB) (Km.1381 to 1407) DLP- HRH All service building in MB yard between Sambhal side ROB to kapoor company, FOB and station building,Good shed, washing line etc including wood, steel, and road work in the section of JE/I/W station/MB and all residential building in North side of PF No 1 and up to kapoor company and near goods shed in the section of JE/1/W/station/MB including wood work, steel work, road work under ADEN/HQ./MB.(2026-27)	(Zone no. 2 MB) All service/ Residential building between Sambhal road and LOCO shed, ROB and south side UP dep. Line in the section of SSE/W/South colony/MB under ADEN/HQ/MB (2026-27)	(Zone no. 3 MB) residential/ Service building in North side and south side of main road including wood, steel & road work in the section of SSE/ W/HRH - col/MB. (2026-27)	(Zone no. 04 MB) All works in residential staff quarters in railway north colony and service buildings in railway north colony under SSE /DRM/Office/MB including wood, steel & road work under ADEN/HQ/ MB. (2026-27)	(Zone no. 4A MB) All works in residential Officer's Bunglow in Railway Officer's Colony under SSE/W/DRM/ Office/MB including wood, steel & road work under ADEN/ HQ/MB. (2026-27)
Tender Closing Date Time	28.07.2026	28.07.2026	28.07.2026	28.07.2026	28.07.2026
Advertised Value (Rs.)	1,75,00,000.00	1,69,99,997.15	1,79,99,999.90	1,89,99,999.56	99,99,999.20
Earnest Money (Rs.)	3,50,000.00	3,40,000.00	3,60,000.00	3,80,000.00	2,00,000.00
Tender Cost Rs	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Bidding Start Date	14.07.2026	14.07.2026	14.07.2026	14.07.2026	14.07.2026
Period of Completion	12 Months	12 Months	12 Months	12 Months	12 Months

पत्रांक– **75-W/2/3/WA/Publication** दिनांक : **01.07.2026** — **2259/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

एथेनॉल पर बढ़ता विवाद

पेट्रोल पर दूसरे देशों की आत्मनिर्भरता से निपटने के लिए भारत सरकार ने एथेनॉल का फार्मूला निकाला है जिसे कहीं ना कहीं देश की जनता स्वीकार नहीं कर पा रही है। इस पर व्यापक विवाद छिड़ा हुआ है और वाहन स्वामियों का कहना है कि यहां एक तरफ माइलेज काम हो रहा है तो वही गाड़ी का इंजन भी खराब हो रहा है। उत्तराखंड भी एथेनॉल युक्त पेट्रोल से अलग नहीं रह सकता और पूरे प्रदेश में यही पेट्रोल मिल रहा है। हाल ही में केंद्र सरकार ने सवीच्च न्यायालय में स्वीकार किया कि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के दीर्घकालिक प्रभावों का अध्ययन अभी जारी है। इसके बाद इस नीति को लेकर समर्थन और विरोध दोनों स्वर मुखर हुए हैं। उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के लिए यह मुद्दा विशेष महत्व रखता है। एक ओर राज्य पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर यहां के वाहन चालकों और आम उपभोक्ताओं की अपनी चिंताएं हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में वाहन पहले से ही कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में चलते हैं। ऐसे में यदि ईंधन की गुणवत्ता, माइलेज या इंजन प्रदर्शन को लेकर किसी प्रकार की आशंका पैदा होती है, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में चिंता बढ़ती है। सरकार का दावा है कि एथेनॉल मिश्रण से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और प्रदूषण में कमी आएगी। उत्तराखंड जैसे पर्यटन एवं पर्यावरण–संवेदनशील राज्य के लिए स्वच्छ ईंधन का महत्व और भी अधिक है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार राज्य में एथेनॉल मिश्रित ईंधन के उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिला है। दूसरी ओर, उपभोक्ताओं का एक वर्ग माइलेज में संभावित कमी, पुराने वाहनों की अनुकूलता तथा ईंधन की कीमतों को लेकर सवाल उठा रहा है। सोशल मीडिया और विभिन्न मंचों पर यह बहस लगातार जारी है कि यदि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाया जा रहा है, तो उसका लाभ आम उपभोक्ता को किस रूप में मिलेगा। हालांकि इन दावों पर वैज्ञानिक सहमति अभी स्पष्ट नहीं है और सरकार लगातार इस कार्यक्रम का बचाव कर रही है। उत्तराखंड के लिए एक और महत्वपूर्ण पहलू कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जैसे मैदानी जिलों में गन्ने की खेती होती है। यदि एथेनॉल उद्योग का विस्तार संतुलित ढंग से किया जाए तो किसानों को अतिरिक्त बाजार मिल सकता है और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिल सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। एथेनॉल मिश्रण पर चल रहा हंगामा केवल ईंधन का नहीं, बल्कि पर्यावरण, अर्थव्यवस्था, कृषि और उपभोक्ता हितों का प्रश्न है। पर्वतीय प्रदेश उत्तराखंड के लिए यह नीति तभी सफल मानी जाएगी जब स्वच्छ ऊर्जा के लाभों के साथ–साथ वाहन चालकों की चिंताओं का भी समाधान किया जाए। पारदर्शिता, वैज्ञानिक परीक्षण और जन–जागरूकता ही इस बहस का सबसे उपयुक्त उत्तर हो सकते हैं। देखना यह होगा कि आने वाले दिनों में क्या पहाड़ी मार्गों पर इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल युक्त वाहनों का प्रदर्शन प्रभावित होता है या फिर धीरे–धीरे वाहन चालक इसके भी आदि हो जाएंगे।

ईरान का आमंत्रण, भारत के लिए रिश्ते सुधारने का एक मौका

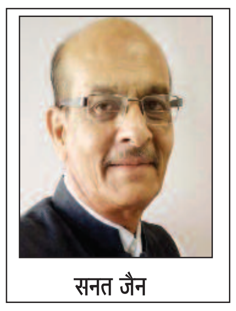

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे धर्मगुरु अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ईरान की सरकार ने दुनिया के सैकड़ों राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और शासकों को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। ईरान की सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और जैन संत जो अहिंसा विश्वा भारती के संस्थापक हैं आचार्य लोकेश मुनि को भी आमंत्रण भेजा है। जैन मुनि ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि वह शांति और सद्भाव के लिए ईरान जाएंगे। अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक पार्टी के नेता भी ईरान जा रहे हैं। इस अवसर पर लगभग 2 करोड़ लोग खामनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए ईरान में एकत्रित हो रहे हैं। भारत सरकार की ओर से जो शुरूआती संकेत मिले हैं, उसके अनुसार भारत सरकार का प्रतिनिधित्व बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा करेंगे। भारत के साथ ईरान के बहुत पुराने सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रिश्ते रहे हैं। दोनों देशों के बीच में शिक्षा, व्यापार और संस्कृति को लेकर बड़े घनिष्ठ संबंध रहे हैं। पिछले कई दशकों में जब भी भारत को ईरान की जरूरत पड़ी ईरान भारत के साथ खड़ा रहा। पिछले कुछ वर्षों में भारत की नजदीकी अमेरिका और इजराइल के साथ बढी। इसके साथ ही भारत और ईरान के संबंधों में वह मधुरता नहीं रही जो उसके पहले होती थी। ईरान ने भारत के साथ राजनीतिक, कूटनीतिक और व्यापारिक संबंध हमेशा बनाए रखे। यहां तक की जब अमेरिका ने ईरान के ऊपर प्रतिबंध लगाए उस समय ईरान सरकार ने भारत को भारतीय मुद्रा में न केवल कच्चा तेल सप्लाई किया वरन उतनी ही कीमत का सामान भारत से आयात करके अपने रिश्तों को बेहतर बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया।

समय के साथ बदलाव आते हैं पिछले कुछ वर्षों में भारत की इजराइल के साथ नजदीकी बढ़ती रही और ईरान के साथ दूरी बढ़ती गई। भारत को ऐसा लगता था कि अमेरिका और इजराइल अजेय हैं। भारत ने ईरान की उपेक्षा शुरू कर दी। भारत की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव आ गया। ईरान और भारत के रिश्तों में एक बड़ा तनाव तब देखने को मिला जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल जाकर यह कह दिया कि इजराइल फादरलैंड है। उसके दो दिन बाद इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका और इजराइल को इस युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान आज एक विजेता के रूप में फिर से एक महत्वपूर्ण स्थिति में आ गया है। ईरान की सरकार अभी भी भारत के साथ अपने पुराने रिश्तों को ध्यान में रखते हुए अपने संबंध बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को जो रिश्ते बिगड़ चुके हैं उनको एक बार फिर पटरी में लाने का मौका है। अमेरिका और इजराइल के हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई सहित कई बड़े योद्धा तथा ईरान के स्कूल में पढ़ने वाली 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत हुई थी। उस समय भारत ने चुप्पी साध रखी थी। भारत ने ईरान के अनुरोध करने के बाद भी ब्रिक्स संगठन देशों की बैठक नहीं बुलाई। अब स्थिति बहुत हद तक साफ हो चुकी है। ऐसे समय पर भारत सरकार को ईरान के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाने के लिए दुख की इस घड़ी में ईरान जाकर घाव में मलहम लगाने की जरूरत है। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन लोगों को ईरान ने आमंत्रित किया है, उनमें शामिल हैं। उन्हें भारतीय दल के रूप में साथ ले जाकर ईरान के साथ भारत के रिश्ते फिर बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस समय जो अवसर मिला है, इसका लाभ उठाया जा सकता है।

पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वास की मानवीय पहल

उमेश चतुर्वेदी

अभी हाल ही में पिता दिवस गुजरा है। इस दिन सोशल मीडिया समेत तमाम जगहों पर हुई चचाओं में एक बात प्रमुखता से छायी रही। ऐसा कहा गया कि पिता बनने के बाद लोगों की शख्सियत में बदलाव आ जाता है। चूंकि जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, लिहाजा इन दायित्वों के चलते कठोर से कठोर हृदय वाला व्यक्ति भी नरम हो जाता है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने जब पूर्व नक्सलियों की जबरिया कराई गई नसबंदी को खोलने वाले जटिल ऑपरेशन को हरी झंडी दिखाई, पता नहीं, उसके दिमाग में यह तथ्य था या नहीं। लेकिन उसकी इस कोशिश से कभी इंन्सानी खून से लाल रही बस्तर की धरती के कई आंगन किलकारियां गूंज रही हैं।

देश के एक तिहाई जिलों पर लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहा नक्सलवाद अब आखिरी सांसें गिन रहा है। गृहमंत्री अमित शाह के दावे के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक देश तकरीबन नक्सलमुक्त हो चुका है। इस दौरान सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ज्यादातर बड़े नक्सली कमांडर मारे जा चुके हैं, या कई ने आत्मसमर्पण कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2700 नक्सली आत्म समर्पण कर चुके है। इन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्रीय सहयोग के साथ नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें कई सारी योजनाएं चला रही हैं। नक्सलवाद से सर्वाधिक प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ और झारखंड में आर्थिक सहयोग, रोजगार, घर आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे नक्सलियों के पुनर्वास को गति मिली है। लेकिन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास कार्यक्रमों में एक अनूठी मुहिम चलाई जा रही है। यह विशेष मुहिम सिर्फ छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ही चला रही है। इस मुहिम को पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वासन कहा जा सकता है।

दरअसल नक्सली संगठनों में फील्ड कार्य कर रहे नक्सलियों के लिए अमानवीय प्रथा थी। फील्ड में काम कर रहे कम उम्र के नक्सलियों की अमानवीय तरीके से जबरिया नसबंदी करा दी जाती थी, ताकि नक्सली कार्य करते वक्त वे अपना परिवार न बढ़ा सकें। नक्सली संगठनों में महिला नक्सली भी सक्रिय थीं, उनके बीच रिश्ते पनपने संभव थे। लेकिन उन रिश्तों से बच्चे ना हों, इसलिए पुरूष नक्सलियों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए मजबूर किया गया। जिनमें बहुत सारे नक्सलियों की उम्र बेहद कम थी। लेकिन सरकारी मुहिम के बाद जब उन्होंने आत्मसमर्पण किया तो उनके मन में भी परिवार बसाने और अपने घर-आंगन में किलकारी गूंजने की चाहत जगी। चूंकि इनकी नसबंदी हो चुकी थी, लिहाजा इन्हें मन-मसोस कर रह जाना पड़ता था। छत्तीसगढ़ सरकार इन्हीं समर्पित प्रजनन उम्र वाले नक्सलियों के लिए पारिवारिक तौर पर ज्यादा सक्रिय होने के लिए यह मानवीय पहल शुरू की है।

पशुपति यानी नेपाल से लेकर तिरूपति यानी आंध्र के जंगली गलियारे तक तूती बोलने के दौर में छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित था। खूंखार नक्सलियों के लिए कुख्यात इसी बस्तर संभाग से छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय पहल शुरू की है। इसके तहत प्रजनन की उम्र वाले उन नक्सलियों का रिवर्स वैसेक्टॉमी शुरू किया है। नसबंदी करा चुके लोगों के लिए रिवर्स वासेक्टॉमी एक तरह से उनकी नसों को फिर से खोलने और उन्हें प्रजनन योग्य बनाने की जटिल प्रक्रिया है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने इस अनूठी पहल को यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की मदद से शुरू किया है। 14 जून तक के आंकड़ों के अनुसार, दो चरणों में 73 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने का ऑपरेशन पूरा किया जा चुका है। पहले चरण में 33 पूर्व नक्सलियों को खुशहाल जिंदगी गुजारने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया तो दूसरे चरण में 40 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी को खोला गया। पहले चरण में जिन 33 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, उनमें से 27 के आंगन किलकारियों से गूंज रहे हैं। बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के अनुसार, बस्तर के एक पूर्व नक्सली के घर दो महीने पहले ही बच्ची का जन्म हो चुका है। उस पूर्व नक्सली का परिवार इस बच्ची के साथ अपना पारिवारिक जीवन आनंद से बिता रहा है।

आमतौर नसबंदी खोलने के इस जटिल ऑपरेशन के लिए बड़े शहरों और महानगरों के सुविधा संपन्न अस्पतालों में जाना पड़ता है। लेकिन यह पहला मौका है, जब छत्तीसगढ़ के दूर-दराज के बस्तर संभाग में स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इस जटिल ऑपरेशन प्रक्रिया को सफलता के साथ अंजाम तक पहुंचाया गया। इस पहल में बस्तर के जिला प्रशासन के साथ ही बस्तर पुलिस और यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के पश्चिमी जोन की बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका रही। यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इंदौर निवासी डॉक्टर राजेश कुकरेजा का कहना है कि बस्तर जैसे इलाके में इतने बड़े स्तर पर नसबंदी खोलने का सफल ऑपरेशन किया जाना चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन की शुरूआत जगदलपुर के महारानी अस्पताल में की गई। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। जगदलपुर के जिला अस्पताल में नसबंदी खोलने के विशेष शिविरों में देश के जाने माने यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशील राठी, डॉ. ललित शाह एवं डॉ. योगेश बरापात्रे सहित इंदौर के डॉ. राजेश कुकरेजा, पुणे के डॉ. सागर भालेराव और डॉ. राहुल, महाराष्ट्र के नांदेड़ के डॉ. अभिषेक, मुंबई के डॉ. निनाद तंबोली और डॉ. पार्थ मानेक के साथ ही रायपुर के डॉ. राहुल कपूर एवं डॉ. घनश्याम हटवार की टीम ने पूर्व नक्सिलियों का सफल ऑपरेशन किया है। इनके सहयोग के लिए छह स्थानीय डॉक्टरों सहित करीब 50 सदस्यों वाली मेडिकल टीम जुटी रही।

छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल बाकी राज्यों द्वारा नक्सलियों के आर्थिक और जमीनी पुनर्वास नीति से अलग है। विष्णुदेव साय सरकार की इस मानवीय पहल की प्रशंसा मेडिकल जगत के साथ ही समाजविज्ञानी भी कर रहे हैं। इस पहल के तहत शारीरिक और मेडिकल जांच के साथ ही प्रजनन योग्य पाए जाने वाले नक्सलियों के ही ऑपरेशन किए जाते हैं। इनमें चालीस साल तक की उम्र वाले पूर्व नक्सलियों को ही प्राथमिकता दी जाती है। जगदलपुर के महारानी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर संजय प्रसाद के मुताबिक, राज्य सरकार की पहल पर जल्द ही तीसरे चरण का भी शिविर लगाने की तैयारी है, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा पूर्व नक्सलियों के ऑपरेशन किये जायेंगे।

छत्तीसगढ़ की यह मानवीय पहल समर्पित नक्सलियों को ना सिर्फ अपने समाज, बल्कि परिवार से भी जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा रणनीति से आगे बढ़कर विश्वास निर्माण और सामाजिक-मानवीय पुनर्वास मॉडल के रूप में आगे आ रहा है। ये 73 ऑपरेशन महज चिकित्सकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि इन परिवारों की उम्मीद और सामान्य जीवन की ओर आगे बढ़ने का भी प्रतीक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि झारखंड और दूसरे नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें भी इस पहल से प्रेरित होंगी।

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस

ललित गर्ग

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है।

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है।

आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्जी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल

स्त्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्त्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है।

भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए।

आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-'प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है।

आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप प्रशासन ने न्यूयॉर्क की मेडिकेड धोखाधड़ी जांच इकाई की फंडिंग रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने न्यूयॉर्क की मेडिकेड फ्रॉड कंट्रोल यूनिट की संघीय फंडिंग 30 सितंबर तक रोक दी है। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के महानिरीक्षक ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने धोखाधड़ी के मामलों में पर्याप्त आरोप तय और दोषसिद्धि नहीं कराई। हालांकि न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि उनके कार्यालय ने मेडिकेड धोखाधड़ी के मामलों में 627 मिलियन डॉलर से अधिक की वसूली की है। राज्य सरकार ने इस कार्रवाई को राजनीतिक बताया और कहा कि फैसले के खिलाफ सभी कानूनी विकल्प अपनाए जाएंगे।

इंडोनेशिया के पूर्व शिक्षा मंत्री को भ्रष्टाचार में 10 साल का कारावास

नुसंतारा, एजेंसी। इंडोनेशिया की एक अदालत ने पूर्व शिक्षा मंत्री व राइड-हेलिंग और पेमेंट कंपनी गोजेक के सह-संस्थापक नादिम अनवर मकारिम को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया और 10 साल के कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने पाया कि मकारिम ने अपने कार्यकाल के दौरान स्कूलों के लिए गूगल क्रोमबुक (लैपटॉप) खरीदने के लिए अपने मंत्रालय पर दबाव डाला था और अमेरिकी टेक कंपनी गोजेक की मूल कंपनी में निवेश करने पर विचार कर रही थी।

सॉन्डरलिंग स्थायी श्रम मंत्री नामित किएगए

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीथ सॉन्डरलिंग को श्रम मंत्री के पद पर नामित करने की घोषणा की है। इससे पहले वह कार्यवाहक श्रम मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे। यह नियुक्ति पूर्व श्रम मंत्री लोरी चावेज-डीरेमर के पद छोड़ने के दो माह बाद की गई है। उन्होंने सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया था। सॉन्डरलिंग पेशे से वकील हैं।

अमेरिका ने मेक्सिको के जलिस्को कार्टेल पर कसा शिकंजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने मेक्सिको के कुख्यात जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कार्टेल से जुड़े दो लोगों और नौ कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन पर ईंधन की तस्करी और टैक्स चोरी के जरिए कार्टेल के लिए हर साल करोड़ों डॉलर जुटाने का आरोप है। साथ ही अमेरिकी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ऐसे लेनदेन की पहचान के लिए अलर्ट जारी किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कार्टेल अब केवल मादक पदार्थों की तस्करी ही नहीं, बल्कि ईंधन तस्करी जैसे अवैध कारोबार से भी कमाई कर रहा है।

न्यूयॉर्क के स्कूल की चिमनी में मिले इंसानी अवशेष, जांच शुरू

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के क्वींस इलाके में एक सरकारी स्कूल की चिमनी से इंसानी अवशेष मिलने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, यह पता नहीं चल सका है कि अवशेष कितने पुराने हैं और वहां कैसे पहुंचे। घटना की जांच की जा रही है, जबकि मौत के कारण का पता मेडिकल एग्जामिनर लगाएंगे। स्कूल में उस समय कोई छात्र मौजूद नहीं था, क्योंकि गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और इमारत में मरम्मत का काम हो रहा है। शिक्षा विभाग ने घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए पुलिस जांच में सहयोग की बात कही।

इटली में पीएम जॉर्जिया मेलोनी लाई नया चुनावी फॉर्मूला, विपक्ष बता रहा तानाशाह

रोम, एजेंसी। इटली में अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले बहुत बड़ा राजनीतिक बदलाव होने जा रहा है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी एक ऐसा नया चुनावी फॉर्मूला लेकर आई हैं जिससे देश का पूरा चुनावी सिस्टम बदल जाएगा। प्रधानमंत्री इसे राजनीतिक स्थिरता के लिए जरूरी कदम बता रही हैं जबकि विपक्ष इसे पूरी तरह से तानाशाही रवैया कह रहा है। मेलोनी का दावा है कि अगर यह नया प्रस्ताव लागू होता है तो इटली में हमेशा के लिए राजनीतिक स्थिरता आ जाएगी। इटली यूरोप के सबसे अस्थिर देशों में से एक है जहां पिछले पच्चीस साल में 10 प्रधानमंत्री हो चुके हैं। मेलोनी 11वीं प्रधानमंत्री हैं और यहां ज्यादातर नेता अपना पांच साल का कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाते हैं। इस नए सिस्टम में आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की गई है जिसे मेजोरिटी प्राइज या बोनस का नाम दिया गया है। संसद में 17.5% अतिरिक्त बोनस सीटें हासिल करने के लिए गठबंधन को कम से कम 42% वोट हासिल करने होंगे। अगर कोई गठबंधन 42% वोट नहीं लाता है तो सीटों का बंटवारा वोट शेयर के हिसाब से ही किया जाएगा।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई अस्पतालों पर भारी दबाव; कैसे बढ़ा बीमारियों का खतरा?

काराकास, एजेंसी। दो जबरदस्त भूकंपों के लगभग एक हफ्ते बाद वेनेजुएला का पहले से कमजोर स्वास्थ्य तंत्र अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच गया है। राहत संगठनों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे अस्पताल घायलों से भर चुके हैं, जबकि आपदा प्रभावित इलाकों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

मंगलवार को कितने लोगों को बचाया गया : इस बीच, सरकार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में आधिकारिक तौर पर बचाए गए लोगों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भूकंप के बाद शुरुआती दो दिनों में 5,380 लोगों को बचाया गया था, जबकि सोमवार को अधिकारियों को केवल चार लोग जिंदा मिले। भूकंप के बाद जीवित लोगों को खोजने का सबसे अहम समय आमतौर पर 48 से 72 घंटे माना जाता है, लेकिन तापमान और पानी या भोजन की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर इससे ज्यादा समय तक भी कोई जीवित रह सकता है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि मंगलवार दोपहर तक बचाए गए लोगों में केवल एक छोटा बच्चा जिंदा मिला, जो छह दिनों तक गिरी हुई इमारत के मलबे में फंसा रहा। इन आंकड़ों में देशभर में स्वयंसेवी समूहों द्वारा किए गए कई बचाव अभियान शामिल नहीं हैं। सरकार की धीमी प्रतिक्रिया से निराश होकर इन समूहों ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के

पहुंचने से कई दिन पहले ही अपने फंसे हुए परिजनों को बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

कितनी हुई मृतकों की संख्या : सरकार के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 1,900 से ज्यादा हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा वास्तविकता से काफी कम हो सकता है, क्योंकि हर दिन मलबे से और शव निकाले जा रहे हैं तथा मुर्दाघरों में शव रखने की जगह भी कम पड़ रही है। जीवित बचे लोगों के बीच मानवीय संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने हजारों बेघर लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंता जताई है। ये लोग कई दिनों से खुले आसमान के नीचे या भीड़भाड़ और गंदगी वाले अस्थायी ठिकानों पर रहने को मजबूर हैं।

भूकंप से अब तक कितने लोग हुए प्रभावित : जिनेवा में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमेयर ने कहा कि दशकों से कम निवेश और वर्षों के आर्थिक संकट से जूझ रही वेनेजुएला की स्वास्थ्य व्यवस्था अब अभूतपूर्व दबाव में है। अचानक बढ़े ट्रॉमा के मामलों ने अस्पतालों की क्षमता को पूरी तरह चुनौती दे दी है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी की प्रवक्ता कार्लोटा वोल्फ ने बताया कि वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार भूकंप से 15,800 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। यह आंकड़ा उन लोगों का है जो बेघर हो चुके हैं। कई लोग कारों, पार्कों और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताने को मजबूर हैं। वोल्फ ने कहा कि यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ला गुएरा, जो राजधानी काराकास के पास समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित है, वहां बड़ी संख्या में लोग भोजन और पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। लिंडमेयर ने कहा कि शौचालय, स्नान की सुविधा और साबुन जैसी बुनियादी चीजों की कमी के कारण बेघर लोगों में खसरे जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि वहां पहले से ही टीकाकरण की दर कम है। इसके अलावा डेंगू, पीला बुखार और मलेरिया जैसी जलजनित और मच्छर जनित बीमारियों के फैलने के लिए भी हालात अनुकूल हैं।

सरकार के अनुसार, पिछले सप्ताह आए भूकंपों से देशभर में 38 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए हैं या उनका कामकाज प्रभावित हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने अब तक इनमें से 21 अस्पतालों का आकलन किया है। इनमें तीन अस्पताल पूरी तरह बंद हो चुके हैं, छह को गंभीर नुकसान पहुंचा है और बाकी अस्पताल घायलों की लगातार बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि मलबे में कई विशेषज्ञ डॉक्टर लापता हैं, जिनमें ला गुएरा में प्रसूति देखभाल के प्रभारी अधिकारी भी शामिल हैं। इससे उस देश में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती और बढ़ गई है, जहां से हाल के वर्षों में डॉक्टरों और नर्सों सहित लगभग 80 लाख लोग देश छोड़ चुके हैं। लिंडमेयर ने कहा, 'प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मरीजों के इलाज और अस्पतालों तक पहुंच की व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो गई है। अस्पतालों में अत्यधिक भीड़ है, सर्जरी लंबित हैं और जैव सुरक्षा मानकों का भी ठीक से पालन नहीं हो पा रहा है।' मंगलवार को ला गुएरा और आसपास के इलाकों में गैर सरकारी संगठनों की सक्रियता साफ दिखाई दी। रेड क्रॉस, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम और अन्य संगठनों ने फुटपाथों, समुद्र किनारे बने रास्तों और खेल परिसरों में राहत शिविर लगाए।

पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं: 'दमन न रुका तो भारत के साथ जाएंगे'

रावलकोट , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में इस्लामाबाद के नियंत्रण को बड़ा झटका लगा है। महंगाई, आर्थिक संकट, जरूरी खाद्य पदार्थों और राशन की आपूर्ति पर रोक व प्रशासनिक विफलता से भड़के हजारों प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान को सीधी चुनौती देते हुए मंच से खुलेआम कहा कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। अगर उनके दमन का सिलसिला नहीं रुका, तो वे स्थायी रूप से भारत के साथ जाने पर विचार कर सकते हैं। पाकिस्तान के प्रशासनिक दमन के खिलाफ पीओके के रावलकोट के ईदगाह मैदान में हजारों लोग 22 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। पीओके में नागरिक विद्रोह का नेतृत्व कर रहे नागरिक अधिकार आंदोलनकारी सरदार अमन खान ने ईदगाह मैदान में उमड़े जनसैलाब के सामने कहा कि पीओके पाकिस्तान का नहीं है। हमें पाकिस्तान की जरूरत नहीं है, बल्कि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व के लिए पीओके की जरूरत है। नौ जून से प्रदर्शनकारियों का एक समूह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास धरने पर है। अमन खान ने संकेत दिया कि मौजूदा हालात ऐसे बने रहे, तो स्थानीय लोग भारत के साथ घनिष्ठ संबंध तलाश सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पीओके की सीमाएं खुल सकती हैं और ऐसा हुआ, तो इस्लामाबाद को पीओके के लोगों से रुकने की भीख मांगनी पड़ेगी। पीओके में दशकों के राजकीय दमन, महंगाई व प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ 38 सूत्रीय मांगों को लेकर जन विद्रोह शुरू हुआ है। वे पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे हैं। पीओके की जमीनी हकीकत दुनिया के सामने न आए, इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने 5 जून से क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बंद कर रखी हैं। आवाज दबाने के लिए नागरिकों पर जुल्म किया जा रहा है। पीओके प्रवासी विद्रोह के समर्थन में अलग-अलग देशों में पाकिस्तानी दूतावासों और उच्चायोगों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। उधर, आंदोलनकारियों ने साफ कह दिया है कि यह विद्रोह मुजफ्फराबाद समेत सभी हिस्सों के पाकिस्तानी कब्जे से आजादी मिलने से पहले नहीं थमेगा।

भारतीय-अमेरिकी सांसद खन्ना बोले- 30 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंचे दोनों देशों के संबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेहद विनाशकारी नीतियों के कारण भारत-अमेरिका संबंध पिछले 30 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। यह बात भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, हाल ही में उनकी चीन यात्रा के दौरान वहां भारत के राजदूत ने उनसे कहा कि ट्रंप की नीतियों की वजह से दोनों देशों के बीच भरोसा खत्म हो गया है। रो खन्ना ने कहा मैं बातों को घुमा-फिराकर कहने वालों में से नहीं हूं। चीजें जैसी हैं मैं उन्हें वैसा ही बताता हूं। अमेरिका-भारत संबंध पिछले 30 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। ईरान के साथ युद्ध में शामिल होने की ट्रंप की नीति बेहद विनाशकारी साबित हुई है। इसका भारत में पेट्रोल-गैस दामों पर भी बुरा असर पड़ा है। अगर आपको मेरी बात पर भरोसा नहीं है, तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर से पूछ लीजिए। रो खन्ना ने ट्रंप की ईरान और क्यूबा को धमकाने तथा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की नीतियों की भी कड़ी आलोचना की। वह बोले अमेरिका नैतिक नजरिया भूल गया है।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, उभरती प्रौद्योगिकियां भारत-अमेरिका सहयोग के अगले चरण को परिभाषित करेंगी। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) सम्मेलन में बोलते हुए क्वात्रा बोले, भारत ने खुद को उन कंपनियों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित किया है, जो पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों से आगे बढ़कर अपने उत्पादन और आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाना चाहती हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी, एआई और सेमीकंडक्टर को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में सूचीबद्ध करते हुए कहा, भारत ने इन रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया है। इसका नतीजा यह हुआ कि वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में उसकी भूमिका और मजबूत हो गई। क्वात्रा ने बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को लेकर बाधा के दौर में भारत को वैश्विक आर्थिक वृद्धि और स्थिरता का अनिवार्य आधार बताया। उन्होंने कहा, भारत के आर्थिक परिवर्तन ने उसे विकसित होती वैश्विक व्यवस्था के केंद्र में ला खड़ा किया है वह विकसित-उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए विश्वसनीय साझेदार है।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर बड़ा पलटवार, आईएसआईएस के ठिकानों पर की भयंकर बमबारी

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। तालिबान सरकार ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तानी सीमा के भीतर घुसकर आतंकी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। इन आतंकी ठिकानों से अफगानिस्तान के निर्दोष नागरिकों पर जानलेवा हमलों की बहुत गहरी साजिश रची जा रही थी। यह दावा पाकिस्तान के हालिया हवाई हमलों के ठीक दो दिन बाद सामने आया है, जिससे दोनों देशों में तनाव बढ़ा है।

तालिबान का कहना है कि यह बहुत बड़ी सैन्य कार्रवाई पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में की गई है। अफगान न्यूज चैनल टोलो न्यूज ने भी तालिबान के इस बहुत बड़े और अहम दावे की पूरी तरह से पुष्टि कर दी है। तालिबान के ड्रोन विमानों ने सीधे उन ठिकानों पर बमबारी की जहां खतरनाक आतंकी छिपकर रह रहे थे। खैबर पख्तूनख्वा के सरान इलाके में आतंकियों के गुप्त ठिकाने

वाले एक स्कूल को पूरी तरह से मलबे में तब्दील कर दिया गया है।

आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं : तालिबान ने साफ किया है कि इस भीषण ड्रोन हमले में कई खतरनाक आतंकी ढेर हुए हैं। इस पूरी सैन्य कार्रवाई में किसी भी आम नागरिक को बिल्कुल कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह बड़ा एक्शन रविवार को पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान पर की गई बमबारी का नतीजा माना जा रहा है। दो दिन पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा में घुसकर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए थे।

पाकिस्तानी हमले में हुई थीं मौतें संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की उस कार्रवाई में कम से कम 28 बेकसूर लोग मारे गए थे। वहीं अफगानिस्तान के सरकारी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने मरने वाले नागरिकों की कुल संख्या 38 बताई थी। इन पाकिस्तानी हमलों में जान गंवाने वालों में कई बेकसूर महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल थे। तालिबान के इस ताजा एक्शन को उसी पाकिस्तानी हमले का एकदम सीधा और करारा जवाब माना जा रहा है। सोमवार को भारत सरकार ने भी इस बेहद गंभीर मामले पर अपनी बहुत कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक अहम बयान जारी कर अफगानिस्तान पर हुए पाकिस्तानी हमलों की निंदा की। भारत का कहना है कि किसी दूसरे देश की सीमा में घुसकर हमला करना उसकी संप्रभुता का सीधा उल्लंघन है। इससे पूरे इलाके की शांति खतरे में पड़ती है और तनाव काफी हद तक बढ़ जाता है।

आतंकवाद पर एक-दूसरे पर आरोप : भारत ने साफ कहा कि पाकिस्तान अपनी नाकामियों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे हमले करता है। पाकिस्तान हमेशा की तरह आरोप लगा रहा है कि अफगानिस्तान कई खूंखार आतंकियों को पनाह दे रहा है। जबकि तालिबान का कहना है कि आतंकवाद पाकिस्तान की खुद की पैदा की हुई अंदरूनी भयंकर समस्या है। अब इस ताजा एयरस्ट्राइक के बाद दोनों मुल्कों के बीच भयानक जंग का खतरा और ज्यादा बढ़ गया है।

ट्रंप की नई सियासी चाल: चुनाव से चार माह पहले डलास में बड़े जलसे का एलान, क्या है रिपब्लिकन खेमे की रणनीति?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधी चुनावों से पहले अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। यह एक अनोखा राजनीतिक आयोजन होगा, जिसका उद्देश्य आगामी मध्यावधी चुनावों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और कांग्रेस में पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए समर्थन जुटाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राष्ट्रीय सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को टेक्सास के डलास शहर में आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रपति चुनाव की तर्ज पर सम्मलेन की तैयारी : आमतौर पर अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े राष्ट्रीय

सम्मेलन आयोजित करती हैं, लेकिन ट्रंप लंबे समय से मध्यावधी चुनावों से पहले भी इसी तरह का आयोजन करने के पक्षधर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की अहम सीटों पर मतदाताओं का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के किसी भी सदन में बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ने से रोक सकते हैं। साथ ही उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में प्रशासन की व्यापक जांच-पड़ताल भी शुरू कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस में रिपब्लिकन का बहुमत बेहद मामूली है। अमेरिकी राजनीति में आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी मध्यावधी चुनावों में सीटें गंवाती है। इस बार ट्रंप स्वयं चुनावी बैलेट पर नहीं होंगे, इसलिए पार्टी नेतृत्व को अपने समर्थकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप को उम्मीद है कि यह कन्वेंशन पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में नया उत्साह पैदा करेगा। वह पिछले वर्ष से ही इस योजना पर चर्चा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन इस आयोजन के जरिए '2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से किए गए बेहतरीन कामों' को जनता के सामने रखेंगे। डलास में सम्मेलन आयोजित करने से टेक्सास की महत्वपूर्ण सीनेट सीट पर भी राष्ट्रीय ध्यान जाएगा। यहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टैलारिको का मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन से होगा। केन पैक्सटन वर्तमान में टेक्सास के अटॉर्नी जनरल हैं। उन्होंने ट्रंप के समर्थन से इस वर्ष रिपब्लिकन प्राइमरी में लंबे समय से सीनेटर रहे जॉन कॉर्निन को हराया था। हालांकि, रिपब्लिकन रणनीतिकारों को आशंका है कि पैक्सटन से जुड़े पुराने विवाद जिनमें विवाहेतर संबंधों के आरोप, महाभियोग और सिक्योरिटीज़ फ्रॉड का मामला शामिल है उनकी चुनावी संभावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं और आसान मानी जा रही सीट को मुश्किल बना सकते हैं।

लाहौर में ट्यूशन सेंटर की छत गिरी, 14 बच्चों की दर्दनाक मौत और 20 घायल

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान से एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। लाहौर के काहना नौ इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत में चल रहे प्राइवेट ट्यूशन सेंटर की छत अचानक भरभराकर गिर गई। इस भयानक हादसे में भारी मलबे के नीचे दबकर 14 मासूम स्कूली बच्चों की बेहद दर्दनाक मौत हो गई है। इसके अलावा 20 अन्य बच्चे और एक महिला टीचर भी इस भीषण हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब 7 से 13 साल के करीब 30 बच्चे इस सेंटर में बैठकर अपनी पढ़ाई कर रहे थे। घटना की भयानक सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और अपना बचाव कार्य शुरू कर दिया। एधी फाउंडेशन और अन्य बचाव दल मलबे में फंसे बाकी मासूम बच्चों की बहुत ही तेजी से तलाश कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी घायलों को तुरंत लाहौर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया है जहां पर अब इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह दर्दनाक घटना लाहौर के घनी आबादी वाले इलाके काहना नौ की ईद गाह कॉलोनी में घटी है। जिस इमारत में इलाके की एक महिला यह प्राइवेट ट्यूशन सेंटर चला रही थी उसके एक हिस्से में निर्माण कार्य भी चल रहा था। हादसे के समय मजदूर वहां अपने काम में पूरी तरह व्यस्त थे तभी अचानक निर्माणाधीन छत मासूम बच्चों के ऊपर गिर गई। इस भयानक लापरवाही के कारण कई मासूम बच्चों की जान चली गई और घटनास्थल पर चारों तरफ चीख-पुकार मच गई।

लाहौर के डीआईजी ऑपरेशंस फैसल कामरान ने पत्रकारों को बताया कि मलबे से अब तक 14 बच्चों के शव निकाले जा चुके हैं। पुलिस ने इस भयंकर लापरवाही के मामले में तुरंत और सख्त कार्रवाई करते हुए जिम्मेदार ठेकेदार को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस पूरी घटना की बहुत ही बारीकी से जांच की जा रही है ताकि असल दोषियों को सख्त सजा मिल सके। रेस्क्यू टीमें अभी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहुत ही सावधानी के साथ भारी मलबे को हटाने का काम कर रही हैं।

राहत और बचाव कार्य में जुटी प्रमुख संस्था एधी फाउंडेशन ने मौतों का आंकड़ा और अधिक बढ़ने की गहरी आशंका जताई है। उनका स्पष्ट कहना है कि अभी भी कुछ मासूम बच्चे इस भारी मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं जिनकी लगातार तलाश जारी है।

सीरिया में इजरायली सेना का भारी विरोध, बफर जोन में स्थानीय लोगों ने किया पथराव

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में इजरायली बफर जोन के तहत दक्षिणी सीरिया के अब्दिन गांव में हालात बहुत ज्यादा तनावपूर्ण हो गए हैं। स्थानीय लोगों और इजरायली सेना के बीच हाल ही में बहुत भारी बवाल देखने को मिला है। गुस्साए सीरियाई नागरिकों ने इजरायली सैन्य वाहनों को रोकने के लिए सड़कों पर चट्टानें डाल दीं और जमकर पत्थरबाजी की। इसके जवाब में इजरायली सैनिकों ने भी प्रदर्शनकारियों को डराने के लिए गोलियां चलाईं और बाद में गांव पर तोपखाने से गोले दागे।

संयुक्त राष्ट्र की निगरानी वाले 245 वर्ग किलोमीटर के बफर जोन पर इजरायल के कब्जे से यह पूरा विवाद शुरू हुआ है। अब्दिन गांव में रहने वाले लोगों का कहना है कि इजरायली सैनिक अक्सर उनके घरों में जबरन घुसते हैं और महिलाओं व बच्चों को डराते हैं। इस इलाके में पिछले 24 घंटों के भीतर हिंसा की दो बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं जिससे दहशत का माहौल है। सुरक्षा वार्ता रुकने के कारण इस सीमावर्ती क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग अपना घर छोड़कर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

लगातार हो रही है भारी झड़प : अब्दिन गांव में हुई यह हिंसक झड़प पिछले 24 घंटों के अंदर तनाव की दूसरी बहुत बड़ी घटना थी। इससे पहले इजरायली सेना ने दक्षिणी सीरिया में दो बंदूकधारियों को मार गिराने का बहुत बड़ा दावा किया था। सीरियाई गांव हादर के मेयर इमाद हसून के अनुसार एक पिकअप ट्रक पर हमले में दो अज्ञात लोग मारे गए। इजरायली सैनिक इन दोनों अज्ञात लोगों के शवों को अपने

साथ लेकर चले गए हैं जिससे गुस्सा और बढ़ गया है।

गांव वालों में खौफ का माहौल : स्थानीय निवासी मोहम्मद अल-हसन ने बताया कि इजरायली सैनिक नियमित रूप से बख्तरबंद गाड़ियों में गांव आते हैं। वे पूरे गांव में घूमते हैं और लोगों के घरों का दरवाजा न खोलने पर उसे जबरन तोड़कर अंदर घुस जाते हैं। सैनिकों की इस डरावनी कार्रवाई से गांव की महिलाओं और मासूम बच्चों में बहुत ज्यादा खौफ पैदा हो गया है। तोपखाने से दागे गए गोलों के डर से अब्दिन के कई नागरिक सोमवार को भी अपने घरों में वापस नहीं लौट सके।

बफर जोन पर इजरायल का कब्जा : दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के सत्ता से हटने के बाद इजरायल ने इस बफर जोन को नियंत्रण में लिया था। इजरायल का कहना है कि उग्रवादी हमलों को रोकने के लिए इस रणनीतिक क्षेत्र पर कब्जा बनाए रखना जरूरी है। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति अहमद अल-शराअ ने गोलाबारी की कड़ी निंदा करते हुए इजरायल से पीछे हटने की मांग की है। 66 वर्षीय किसान सोभी अल-तवलबी ने बताया कि सैन्य तनाव के कारण किसान अपनी फसलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

ठप पड़ी है जरूरी सुरक्षा वार्ता : लोगों को उम्मीद थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में फ्रांस में होने वाली सुरक्षा वार्ता से तनाव काफी कम होगा। लेकिन फिलहाल दोनों देशों के बीच यह महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत पूरी तरह से रुक गई है जिससे निराशा है। सुरक्षा की कमी, रोजगार के अभाव और बिजली-पानी की भारी किल्लत के कारण लोग तेजी से पलायन कर रहे हैं। सीरियाई नागरिकों का कहना है कि वे किसी के लिए खतरा नहीं हैं और सिर्फ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज
बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग।
- उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग।
- टी.बी. छः माह के लगभग।
- कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें
ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स ` उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भ ी त र इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है
विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर
मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं।
- कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें।
- जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अब तराई बना नशे का नया कॉरिडोर, दो साल में 15 करोड़ की डिजाइनर ड्रग्स पकड़ी

उधमसिंहनगर। रसायनों के खतरनाक मिश्रण से अवैध प्रयोगशालाओं में तैयार हो रही डिजाइनर ड्रग्स भी तराई क्षेत्र के जरिए कुमाऊं में पहुंच रही है। पंजाब, महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद अब तस्करों ने तराई को नशे की सप्लाई का नया कॉरिडोर बना लिया है। बीते दो वर्षों में जिले में करीब 15 करोड़ रुपये की डिजाइनर ड्रग्स पकड़ी जा चुकी है जबकि एनडीपीएस एक्ट के तहत 500 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।डिजाइनर ड्रग्स सामान्य नशीले पदार्थों से अलग होती है। इन्हें रसायनों और प्रतिबंधित दवाओं के मिश्रण से अवैध लैबों में तैयार किया जाता है। एमडीएमए (मैथिलिन डाईऑक्सी मेथमफेटामाइन), मेफेड्रोन, ट्रामाडोल और अल्प्राजोलम जैसी दवाओं व रसायनों के मिश्रण से तैयार यह नशा युवाओं को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है।

–दिसंबर 2025 में काशीपुर पुलिस ने 1.32 करोड़ रुपये मूल्य के 43,950 नशीले इंजेक्शन बरामद किए थे। जांच में सामने आया था कि इंजेक्शन जालंधर से एक मेडिकल स्टोर के नाम पर बुक कराकर भेजे गए थे। इस मामले का मुख्य आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है।

–जून 2025 में एसटीएफ ने नानकमत्ता से टनकपुर निवासी कुनाल राम कोहली को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 126 लीटर प्रतिबंधित केमिकल और 28 किलो पाउडर बरामद हुआ था। जांच में पता चला कि बरामद कच्चे माल से करीब 12 किलो एमडीएमए तैयार की जा सकती थी, जिसकी कीमत करोड़ों रुपये बताई गई।

–गदरपुर में एसटीएफ ने हिस्ट्रीशीटर शाकिर अली उर्फ नकटा और उसकी पत्नी शाईन को भी गिरफ्तार किया था। आरोप है कि दोनों अपने नाबालिग बेटे के जरिए ड्रग्स की तस्करी करा रहे थे। पुलिस ने बेटे के पास से 33 लाख रुपये की हेरोइन बरामद की थी। शाकिर के खिलाफ नौ और शाईन के खिलाफ छह आपराधिक मामले दर्ज हैं।

डिजाइनर ड्रग्स शरीर के लिए खतरनाक

काशीपुर के चिकित्सक डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि डिजाइनर ड्रग्स का सेवन शरीर के तापमान को असामान्य रूप से बढ़ा सकता है। इसके बाद लगातार पानी पीने से शरीर में सोडियम की मात्रा कम हो सकती है, जिससे डिहाइड्रेशन और हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक सेवन से सेरोटोनिन सिस्टम प्रभावित हो सकता है, जिससे मस्तिष्क पर गंभीर असर पड़ सकता है। कई डिजाइनर ड्रग्स में मेथ, केटामिन और फेंटानिल जैसे खतरनाक पदार्थों की मिलावट पाई जाती है। फेंटानिल की बहुत कम मात्रा भी जानलेवा साबित हो सकती है।

सीओ पर युवकों से अभद्रता का आरोप

काशीपुर। सोमवार–मंगलवार की रात सीओ काशीपुर गश्त पर थे। कुंडा क्षेत्र में कई युवक सड़क पर घूम रहे थे। इस पर सीओ ने उन्हें रोका और लताड़ लगाते हुए भेजा। युवकों से अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को जसपुर विधायक ने कुंडा थाने का घेराव किया। इस मामले में कार्रवाई की मांग के लिए कुमाऊं महानिरीक्षक से भी वार्ता की। बाद में सीओ की ओर से खेद व्यक्त करने पर मामले का पटाक्षेप हो गया।

बुधवार को जसपुर विधायक आदेश चौहान के नेतृत्व में कई लोगों ने कुंडा थाने पहुंचे और कोतवाल धीरेंद्र सिंह का घेराव किया। उनका आरोप था कि सोमवार–मंगलवार की मध्य रात्रि करीब तीन बजे कुंडा गांव के कुछ युवा मुर्गी फार्म से मैली लाने के लिए घर से निकले थे। वे सड़क किनारे एक दुकान पर चाय पीने के लिए खड़े थे। इसी दौरान सीओ प्रशांत कुमार वहां पहुंचे। आरोप है कि सीओ ने उनके साथ अभद्रता की और फटकार लगाई।

विधायक आदेश चौहान ने सोमवार की रात हुई घटना पर आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने इस संबंध में आईजी निवेदिता कुकरेती से फोन पर बात की। कुंडा थाने पहुंचे सीओ प्रशांत कुमार और विधायक के बीच वार्ता हुई। सीओ के खेद व्यक्त करने पर मामला शांत हो गया। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि मध्यरात्रि सड़क पर एकत्र होकर खड़े होने पर उन्होंने लोगों को टोका था। उनकी मंशा किसी का अपमान करने की नही थी। घेराव करने वालों में पूर्व प्रमुख रवि कुमार, जिला पंचायत सदस्य मौ. असद, सरफराज हुसैन, शेर अली, सुरेंद्र सिंह, फुरकान, मुशाहिद हुसैन, अब्दुल सलाम आदि थे।

धयेश्वर नाग देवता ने दिए श्रद्धालुओं को दर्शन

नौगांव (उत्तरकाशी)। दारसौं गांव में स्थित प्राचीन मंदिर के गर्भ गृह में वर्षभर से विराजमान धयेश्वर नाग देवता बृहस्पतिवार को गर्भगृह से बाहर निकले और श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। कफनौल, ठोलिंका, दारसौं, हिमरौल, सिमलसारी, गैर, गन्ना खेतु सहित ग्यारह गांव के लोग अपने आराध्य देव के दर्शन के लिए दारसौं गांव पहुंचे। साथ ही नाग देवता को श्रीफल, चुनरी, हरियाली और धूप चढ़ा कर मन्नतें मांगी। देवता के पश्वा रामप्रकाश थपलियाल पर अवतरित धयेश्वर नाग देवता ने क्षेत्र वासियों को सुख एवं समृद्धि का आशीर्वाद दिया।वहीं, विशेष पूजा के बाद देव डोली को कफनौल गांव के लिए विदा किया गया। इस दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष सूरत सिंह पंवार ने बताया कि धयेश्वर नाग देवता के नाम से कफनौल, दारसौं और हिमरौल गांव में प्राचीन मंदिर हैं। जहां धयेश्वर नाग देवता बारी बारी से एक–एक वर्ष के लिए विराजते हैं।

कूड़ा सेग्रीगेशन व्यवस्था पर यूकेडी ने उठाए सवाल

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र में कूड़ा सेग्रीगेशन व्यवस्था पर उत्तराखंड क्रांति दल ने गंभीर सवाल उठाए हैं। दल का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स के अनुरूप कचरे के पृथक्करण की प्रभावी व्यवस्था विकसित नहीं की गई है और मिश्रित कचरे का निस्तारण भी वैज्ञानिक तरीके से नहीं हो रहा।यूकेडी ने इसे पर्यावरण और भागीरथी नदी के लिए बड़ा खतरा बताते हुए पूरे कचरा प्रबंधन तंत्र की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है।

साथ ही 15 दिन के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर जनांदोलन की चेतावनी दी है। बृहस्पतिवार को यूकेडी का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय महामंत्री किरन रावत एडवोकेट के नेतृत्व में जिलाधिकारी से मिला। उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी केवल एक नगर नहीं, बल्कि देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान, करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और गंगोत्री धाम का प्रवेश द्वार है। इसके बावजूद नगर में अव्यवस्थित कचरा प्रबंधन, प्रशासनिक उदासीनता और पर्यावरणीय संकट गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि नगर में कचरा प्रबंधन के नाम पर वर्षों से करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं लेकिन विभिन्न क्षेत्रों में आज भी कूड़े के ढेर लगे हैं।

पशु चिकित्सालय में डॉक्टर मिलीं अनुपस्थित

उत्तरकाशी। राजकीय पशु चिकित्सालय डुंडा में डॉक्टर की लगातार अनुपस्थिति का मामला सामने आने पर ब्लॉक प्रमुख राजदीप सिंह परमार ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्साधिकारी डॉ. चेतना अस्पताल में मौजूद नहीं मिलीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए ब्लॉक प्रमुख ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को डॉक्टर से जल्द स्पष्टीकरण लेने और जांच पूरी होने तक उनका वेतन रोकने की मांग की।

परिवर्तन संकल्प सम्मेलन में कांग्रेस ने सरकार को घेरा, संकल्प पत्र का किया विमोचन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर के अंतर्गत कस्याली में आयोजित कांग्रेस के परिवर्तन संकल्प सम्मेलन में पार्टी नेताओं ने प्रदेश सरकार पर जनहित के वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। कहा कि विकास के नाम पर सरकार ने केवल जनता को गुमराह करने का कार्य किया है। लेकिन, अब जनता भाजपा की चाल सकझ चुकी है। जनता का भरोसा केवल कांग्रेस ही है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार लगातार बढ़ता जा रहा है। कानून व्यवस्था बेपटरी हो चुकी हैं। कहा कि प्रदेश का युवा रोजगार के लिए भटकने को मजबूर है, जबकि पुरानी पेंशन योजना को लेकर भी सरकार कोई ठोस निर्णय नहीं ले सकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार के बढ़ते आतंक से लोग भय के साये में जीवन जी रहे हैं। उनका कहना था कि सरकार इस समस्या के समाधान में भी प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना समाप्त कर सेना में पूर्व की व्यवस्था के अनुसार भर्ती शुरू की जाएगी। साथ ही कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का भी वादा किया। पूर्व मंत्री सूरवीर सिंह सजवाण ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में जनसमस्याओं के समाधान की प्रक्रिया लगभग ठप हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विकास नेगी, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रुचि कैंत्यूरा, ब्लॉक अध्यक्ष अनिल रतूड़ी, संजय तोमर, राजीव जखमोला, नितेश ठाकुर, बलबीर सिंह रावत, शैलेंद्र सिंह, विजय नेगी, देवेंद्र राणा, सुभाष शर्मा, कीर्ति सिंह बिष्ट, सुबोध नेगी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर जर्जर टर्मिनल बना सुरक्षा के लिए खतरा

चिन्यालीसौड़। करोड़ों रुपये की लागत से वर्ष 2014–15 में निर्मित चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन रखरखाव के अभाव में अब जर्जर हालत में पहुंच गया है। भवन की क्षतिग्रस्त छत और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर के टूटे शीशे यहां तैनात कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं।

हवाई अड्डे पर सेना और वायुसेना की गतिविधियां नियमित रूप से संचालित होती है। इसके अलावा पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी भी यहां तैनात रहते हैं। ऐसे में आंधी–तूफान या खराब मौसम के दौरान क्षतिग्रस्त छत से मलबा गिरने और टूटे शीशों के कारण हादसे की आशंका बनी रहती है। कर्मचारियों का कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

चप्पल पहनकर ड्राइविंग करना पड़ सकता है महंगा

उधमसिंहनगर। कार चलाते समय पैरों की छोटी सी लापरवाही भी बड़ा हादसा करा सकती है। चप्पल पहनकर ड्राइविंग करने की आदत चालकों के लिए खतरा बन सकती है क्योंकि आपात स्थिति में यही चप्पल ब्रेक लगाने में बाधा बन सकती है। इसके बावजूद परिवहन विभाग के आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक साल में इस मामले में कार्रवाई बेहद सीमित रही है।

अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक परिवहन विभाग ने चप्पल पहनकर वाहन चलाने वाले केवल 19 चालकों के चालान किए। वहीं ट्रिपल राइडिंग के मामलों में 168 चालान किए गए। दूसरी ओर बिना हेलमेट, बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र और ओवरलोडिंग जैसे मामलों में विभाग ने 23,723 वाहनों पर कार्रवाई की और 1,384 वाहनों को सीज किया।

चप्पल पहनकर वाहन चलाने में सबसे बड़ा खतरा पैर की पकड़ कमजोर होना है। खुली या हवाई चप्पलें कई बार ब्रेक या क्लच के नीचे फंस सकती हैं। ऐसे में अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में चालक को परेशानी हो सकती है। इसके अलावा पैडल पर दबाव सही तरीके से नहीं पड़ने से वाहन नियंत्रण बिगड़ने की आशंका रहती है।

आंकड़े झूठ नहीं बोलते...

परिवहन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक चप्पल पहनकर वाहन चलाने के मामले में सिर्फ 19 चालान हुए। इस अवधि में अक्तूबर तक इस नियम के तहत एक भी का-र्रवाई नहीं की गई। ट्रिपल राइडिंग में भी कार्रवाई सीमित रही।

आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल में परखी गई तैयारियां

सुखरो पुल पर दो घंटे रोकी गई आवाजाही

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः आपदा प्रबंधन तंत्र की तैयारियों का आकलन करने के लिए गुरुवार को कोटद्वार में व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। अभ्यास के तहत सुखरो नदी का जलस्तर बढ़ने और पुल को खतरा होने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से सुखरो नदी पर बने पुल पर वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई।

मॉक ड्रिल शुरू होते ही पुलिस, एसडीआरएफ, राजस्व विभाग, ऊर्जा निगम और अन्य संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव दलो ने नदी में फंसे लोगों और स्कूली बच्चों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया। अधिकारियों ने विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और बचाव कार्यों का जायजा लिया। अचानक पुल पर यातायात बंद होने और बड़ी संख्या में सरकारी अमले की मौजूदगी से स्थानीय लोगों में कुछ समय के लिए असमंजस की स्थिति बन गई। बाद में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह वास्तविक आपदा नहीं, बल्कि आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के लिए आयोजित मॉक ड्रिल थी। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

यूजेवीएन लिमिटेड की निदेशक मंडल की बैठक सम्पन्न

वित्तीय वर्ष 2026–27 के बजट को मंजूरी, प्रमुख जलविद्युत एवं पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं को मिली गति

देहरादून। प्रबंध निदेशक के पद पर स्थाई पदभार ग्रहण करने के बाद श्री अजय कुमार सिंह की पहली बोर्ड बैठक।

यूजेवीएन लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक मुख्य सचिव, उत्तराखंड शासन एवं अध्यक्ष यूजेवीएन लिमिटेड श्री आनंदवर्धन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रबंध निदेशक के रूप में स्थायी पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री अजय कुमार सिंह ने पहली बार निदेशक मंडल की बैठक में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव एवं अध्यक्ष श्री आनंदवर्धन सहित निदेशक मंडल के सभी सदस्यों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के बजट को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही उपनल के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को उत्तराखंड सरकार के शासनादेश के अनुरूप ष्समान कार्य के लिए समान वेतनष् के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

राज्य की ऊर्जा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निदेशक मंडल ने 81 मेगावाट क्षमता की आराकोट–त्यूणी जलविद्युत परियोजना तथा 600 मेगावाट क्षमता की इच्छाड़ी पंप्ड स्टोरेज परियोजना से संबंधित प्रथम चरण की सभी आवश्यक स्वीकृतियां शीघ्र प्राप्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में 300 मेगावाट क्षमता की लखवाड़ बहुद्देशीय परियोजना के शीयर ज़ोन उपचार से जुड़े अतिरिक्त कार्यों हेतु वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान की गई। साथ ही उत्तराखंड सिंचाई विभाग से हस्तांतरित सौंग पंप्ड स्टोरेज परियोजना की सभी आवश्यक औपचारिक स्वीकृतियां संबंधित विभागों से शीघ्र प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए।

लखवाड़ बहुद्देशीय परियोजना की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से निदेशक मंडल ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (उकरा) की तैनाती के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में मुख्य सचिव, उत्तराखंड शासन एवं अध्यक्ष यूजेवीएन लिमिटेड श्री आनंदवर्धन, प्रमुख सचिव ऊर्जा डॉ. आर. मीनाक्षीसुंदरम, स्वतंत्र निदेशक श्री इंदू कुमार पाण्डे, श्री बी.पी. पांडे, श्री पराग गुप्ता, अपर सचिव वित्त श्री गंगा प्रसाद, प्रबंध निदेशक श्री अजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं) श्री सुरेश चन्द्र बलूनी, अधिशासी निदेशक श्री सुधाकर बडोनी, श्री राजीव अग्रवाल, श्री आशीष जैन, श्री जी.एस. बुदियाल तथा यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक श्री पी.सी. ध्यानी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में बच्चों की चहल–पहल से लौटी रौनक

गदरपुर। ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद बुधवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय खुल गए। लंबे अवकाश के बाद स्कूल पहुंचे विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ दिखाई दी। विद्यालय परिसरों में बच्चों की चहल–पहल से कई दिनों से पसरा सन्नाटा टूट गया और परिसर फिर से गुलजार हो उठे। छात्र–छात्राएं अपने मित्रों और शिक्षकों से मिलकर उत्साहित नजर आए।

प्रार्थना सभा के साथ नियमित पठन–पाठन शुरू हुआ। शिक्षकों ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए नए सत्र में नियमित उपस्थिति, अनुशासन और मन लगाकर पढ़ाई करने का संदेश दिया।

गोपेश्वर में वीबीजी रामजी योजना के शुभारम्भ पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

मोली, भारत सरकार की वीबीजी रामजी योजना के शुभारम्भ के अवसर पर गुरुवार को विकास भवन, गोपेश्वर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन का सीधा प्रसारण प्रतिभागियों को दिखाया गया। इस अवसर पर योजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं संभावित लाभों की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, मनरेगा श्रमिक, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण प्रतिभागी उपस्थित रहे। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए प्रतिभागियों को इसके विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराया गया।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने कहा कि जनपद चमोली में वीबीजी रामजी योजना के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना मनरेगा से भिन्न स्वरूप में संचालित होगी तथा इसके अंतर्गत निर्धारित दिशा–निर्देशों एवं मानकों के अनुरूप कार्य किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों से बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए योजना को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से धरातल पर उतारने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को योजना के तहत मिलने वाले लाभ, कार्यों के चयन की प्रक्रिया, क्रियान्वयन व्यवस्था तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन एवं सतत विकास को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं मनरेगा श्रमिकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए अधिकारियों ने योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए जागरूक रहने का आग्रह किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष गजपाल बर्तवाल, परियोजना निदेशक आनंद भाकुनी, भाजपा जिला महामंत्री विनोद कनवासी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

6 से 19 जुलाई तक न्याय पंचायत स्तर पर लगेंगे बहुउद्देशीय सेवा शिविर

चमोली, प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद चमोली में 4 जुलाई से सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। उत्तराखण्ड शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस विशेष अभियान के अंतर्गत 4 से 10 जुलाई तक थीम आधारित कार्यक्रम, 6 से 19 जुलाई तक बहुउद्देशीय शिविर तथा 4 जुलाई से चरणबद्ध रूप से स्पेशलिस्ट स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ 4 जुलाई को प्रातः 11 बजे राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर के ऑडिटोरियम में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री एवं मुख्यमंत्री के नामित प्रतिनिधि की उपस्थिति रहेगी तथा मुख्यमंत्री के संबोधन का जनपद एवं सभी विकासखंडों में सजीव प्रसारण किया जाएगा। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी एवं विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां आमजन को राज्य सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ–साथ पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

4 से 11 जुलाई तक होंगे थीम आधारित कार्यक्रम

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रत्येक दिन अलग–अलग विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

4 जुलाई को गोपेश्वर में रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल विकास विषय पर कार्यक्रम आयोजित होगा।

5 जुलाई को थराली विकासखंड में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई नई पहल, नवाचार एवं योजनाओं पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

6 जुलाई को ज्योतिर्मठ विकासखंड में रेल, सड़क, रोपवे, उड़ान योजना एवं आधारभूत अवस्थापना विकास से जुड़ी परियोजनाओं पर कार्यक्रम होगा।

8 जुलाई को कर्णप्रयाग विकासखंड में उद्योग, लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को प्रोत्साहन देने संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

9 जुलाई को दशोली विकासखंड में कृषि, उद्यान एवं पशुपालन क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों एवं नीतियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

10 जुलाई को पोखरी विकासखंड में महिला सशक्तिकरण, युवा एवं सैनिक कल्याण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित होंगे। 11 जुलाई को गैरसैंण विकासखंड में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में किए गए सुधारों एवं नवाचारों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों में 23 विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें राजस्व, ग्राम्य विकास, पंचायतीराज, कृषि एवं कृषक कल्याण, समाज कल्याण, सैनिक कल्याण, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, गृह, श्रम, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, पशुपालन, ऊर्जा, सहकारिता, लोक निर्माण विभाग/पीएमजीएसवाई, शिक्षा, पेयजल, सिंचाई, वन, कौशल विकास एवं सेवायोजन, आपदा प्रबंधन तथा बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। पात्र लाभार्थियों के आवेदन मौके पर भरवाए जाएंगे तथा अधिकाधिक लोगों को योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

अमेरिका विश्वकप जीता तो चांद पर फुटबॉल खेलकर इसे यादगार बनाएंगे: नासा प्रमुख

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख जारेड आइजैकमैन ने अमेरिकी फुटबॉल टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि अगर टीम फीफा विश्व कप जीतती है, तो इस ऐतिहासिक जीत को चांद पर फुटबॉल भेजकर और भी यादगार बनाया जाएगा। यह घोषणा नासा की चंद्रमा पर मानव बेस बनाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई, जिसमें आइजैकमैन ने खिलाड़ियों से कहाया, टीम यूएसए, अब अपना काम पूरा करके दिखाइए!

गौरतब है कि नासा लंबे समय से चंद्रमा पर स्थायी मानवीय उपस्थिति स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, आइजैकमैन का यह अनोखा प्रस्ताव अंतरिक्ष अन्वेषण और खेल को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने 1971 के अपोलो-14 मिशन का जिक्र किया, जब अंतरिक्ष यात्री एलन शेपर्ड ने चंद्रमा की सतह पर गोल्फ खेला था। अब, नासा उस उपलब्धि से एक कदम आगे बढ़ना चाहता है। आइजैकमैन ने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य एलन शेपर्ड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना है। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका वर्ल्ड कप जीतता है, तो हम फुटबॉल को चांद तक पहुंचाएंगे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप के मौके पर एक आधिकारिक फुटबॉल पहले ही अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजी जा चुकी है, और अब अगला लक्ष्य उसे चांद की सतह पर पहुंचाना है।

एलन शेपर्ड का गोल्फ शॉट अंतरिक्ष इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक है। वे चांद पर कदम रखने वाले पांचवें इंसान और अमेरिकी अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर के एक दिग्गज अंतरिक्ष यात्री थे। अपने मिशन के अंत में, शेपर्ड ने चतुराई से छुपाकर लाए गए एक छोटे गोल्फ क्लब और दो गोल्फ बॉल से चांद पर दो शॉट लगाए। चंद्रमा के कम गुरुत्वाकर्षण के कारण, गेंदें पृथ्वी की तुलना में कहीं अधिक दूर तक गईं, जिसने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया। आइजैकमैन का यह नया चैलेंज इसी तरह के एक और ऐतिहासिक पल को रचने का प्रयास है, लेकिन इस बार दांव पर एक वैश्विक खेल प्रतियोगिता की जीत है।

श्रीकांत रिटायर हुए, अकर्षी और तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

मार्खम (कनाडा) (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे।

पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया।

महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा। दूसरी ओर तान्या हेमनाथ ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-16, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल मिलाकर दिन निराशाजनक रहा। बुधवार को उतरे नौ भारतीय खिलाड़ियों में से सात पहले ही दौर में बाहर हो गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग से 14-21, 15-21 से हार गईं। कनाडा की रेचल चान के खिलाफ रक्षिता रामराज ने कड़ा संघर्ष लेकिन 15-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

इस साल अबू धाबी में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली श्रियंशी वालिशेट्टी को चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पी के हाथों 9-21, 18-21 से पराजय झेलनी पड़ी। अनमोल खरब ने शीर्ष वरीयता प्राप्त मेजबान खिलाड़ी मिशेल ली को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 6-21, 26-24, 13-21 से मुकाबला गंवा बैठीं।

पुरुष एकल में सनीत दयानंद और शंकर सुब्रमण्यन भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सके। सनीत को जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो ने 21-7, 21-11 से हराया, जबकि शंकर को दक्षिण कोरिया के यू ते-बिन ने 19-21, 21-15, 21-15 से मात दी। पुरुष युगल में भारत की एकमात्र जोड़ी अच्युतादित्य राव दोड्डावरापु और अर्जुन रेड्डी पोचाना भी शुरुआती दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी और को टीम से बाहर करके नहीं : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20आई से पहले भारत के टॉप ऑर्डर को लेकर हो रही चर्चा पर बात की। उन्होंने साफ किया कि भले ही युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग ड्ढ्ढ में शामिल करने की मांग बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि वैभव को जगह देने के लिए संजू सैमसन को टीम से बाहर किया जाना चाहिए। अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि टीम में सैमसन की जगह को लेकर लगातार अटकलें लगाना गैर-जरूरी है और इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए।

पुजारा ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को संजू सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस करना चाहिए। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में खुद को साबित किया है और उनके पास जो टैलेंट है, उसे देखते हुए उन्हें प्लेइंग XI में होना चाहिए। संजू सैमसन को टीम से बाहर करने को लेकर ज्यादा शोर नहीं होना चाहिए। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए। संजू को बस नैचुरली बैटिंग करनी चाहिए और ज्यादा सोचना नहीं चाहिए।'

पुजारा ने माना कि सूर्यवंशी को मौका मिलना चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को शामिल करने के लिए भारत के पहले से तय टॉप ऑर्डर को नहीं बिगाड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी को टीम से बाहर करके नहीं, बल्कि किसी को आराम देकर। अगर आप उन्हें मौका देना चाहते हैं, तो यह ठीक है। लेकिन आपको भारत के टॉप तीन खिलाड़ियों में से किसी को भी बाहर नहीं करना चाहिए, चाहे वह संजू हों, अभिषेक हों या ईशान किशन। इसके बावजूद वैभव को मौका मिलना चाहिए और उन्हें मौका जरूर मिलेगा।'

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच बदले जायें : इडुल्जी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई की प्रशासक समिति (सीओए) की सदस्य डायना इडुल्जी ने कहा है कि अब भविष्य के मुकाबले को देखते हुए कप्तान और कोच में बदलाव की जरुरत है। इडुल्जी के अनुसार अब कप्तान हरमनप्रीत कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार से आगे बढ़ने का समय आ गया है। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने ये बात कही साथ ही कहा कि अब टीम के प्रदर्शन में स्थिरता आ गयी है। इसलिए लिए टीम को नये विचार और योजनाओं वाले कप्तान और कोच चाहिये।

इडुल्जी ने साथ ही कहा, हरमनप्रीत हालांकि मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं और मैंने हमेशा उनका समर्थन किया है पर मेरा मानना है कि हमें कम से कम टी20 प्रारूप में किसी और को कप्तानी देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत को एक खिलाड़ी के रूप में खेलते रहने दिया जाए, लेकिन कप्तानी के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को चुना जाए जिसके पास बेहतर रणनीतिक विचार हों, खासकर गेंदबाजी बदलाव और कप्तानी के अन्य पहलुओं को लेकर। इडुल्जी को लगता है कि हरमनप्रीत की कप्तानी में अब एक ठहराव आ गया है। चयन समिति के फैसलों पर असहमति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह कड़े फैसले लेने का सही समय था, भले ही यह विश्व कप हारने के तुरंत बाद की प्रतिक्रिया लगे। इडुल्जी ने हरमनप्रीत के सेफ गेम खेलने की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि अगर आप सुरक्षित खेलकर भी हार रहे हैं, तो बेहतर है कि आक्रामक होकर खेलें।

वहीं मुख्य कोच अमोल मजूमदार पर भी इडुल्जी ने सवाल उठाये । उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह अब उससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे जो उन्होंने पहले ही किया है। हमें अब एक ऐसे कोच की जरुरत है जो टीम का हौसला बढ़ा सके और टीम को उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने के लिए थोड़ा सख्त हो। इंग्लैंड में टीम के कुछ चयन निर्णयों पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, हमने यास्तिका भाटिया को क्यों खिलाया? वह बल्लेबाजी करने नहीं आईं, न ही वह गेंदबाज हैं। वह दूसरी विकेटकीपर हैं।

साथ ही कहा कि एकदिवसीय डे और टी20 के लिए अलग-अलग टीमों की जरूरत है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और क्रांति गौड़ जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लगातार मौका न देने पर भी नाराजगी जताई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की सलाहकार इडुल्जी ने कहा कि खेल के सभी प्रारूपों में एक ही टीम से नहीं खेला जा सकता, क्योंकि इससे खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर पड़ता है, जो पहले से ही कम है।

वैभव को आयरलैंड के खिलाफ अवसर नहीं देना एक बड़ी गलती रही : शास्त्री

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं उतारकर भारतीय टीम प्रबंधन ने गलती की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड के हालात वैभव के अनुकूल थे, इसके अलावा उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभवी भी मिल जाता। उसे पूरे दौरे में बेंच पर बैठाए रखने का फैसला सही नहीं था। शास्त्री ने कहा, अरे, उसे आयरलैंड में खेलना चाहिए था। वहां की पिच धीमी थी और मैदान भी छोटा था। वह गेंद को सीधे हवा में खेल देता। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उसे अवसर मिलेगा या नहीं ये कहा नहीं जा सकता पर मेरा मानना है कि उसे अवसर दिया जाना चाहिये था। शास्त्री ने वैभव के आईपीएल प्रदर्शन की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने हर गेंदबाज के खिलाफ आसानी से खेला था। इसके बाद भी उसे बेंच पर बैठाया हुआ है। शास्त्री ने वैभव को भारतीय टीम का एक्स फैक्टर करार देते हुए उनकी सबसे बड़ी ताकत उनके निडर अंदाज को बताया। उन्होंने कहा, उसके पास युवा जोश है, कोई दबाव नहीं है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। वह शुरुआती कुछ ओवरों में ही मैच का रुख बदल सकता है और मिडिल ऑर्डर के लिए मजबूत मंच तैयार कर सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में भी उन्हें अवसर नहीं मिला अब देखना है कि उन्हें 4 जुलाई को होने वाले दूसरे टी20 में अवसर मिलता है या नहीं। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं; इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वह सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए और पिछले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनके बल्ले से केवल 6 रन निकले हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि दूसरे टी20 में सैमसन की जगह पर वैभव को उतारना चाहिये।

श्रेयस ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के तौर पर सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड बनाया

डरहम । भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में अर्धशतक लगाते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। श्रेयस ने इसी के साथ ही तीन पूर्व कप्तानों महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया। श्रेयस ने इस मैच में 47 गेंदों पर 68 रन बनाकर अपना नौवां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया। कप्तान के तौर पर यह उनका पहला अर्धशतक था। इस ऐतिहासिक पारी के साथ ही, अय्यर अब इंग्लैंड की धरती पर बतौर भारतीय कप्तान सबसे बड़ा टी20 स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली के उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने साल 2018 में कार्डिफ में 47 रन बनाकर बनाया था। वहीं रोहित शर्मा 31 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं और महान कप्तान धोनी 30 रनों (नाबाद) के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इंग्लैंड में कप्तान द्वारा सर्वोच्च टी20 स्कोर का रिकॉर्ड अभी भी ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 90 रन है।

टी20 क्रिकेट बना रहेगा, अश्विन ने वनडे के भविष्य पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि फ्रेंचाइजी आधारित यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) मौजूदा क्रिकेट परिदृश्य में एक जरूरी पहल है क्योंकि टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहद मजबूत है, जबकि वह वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। अश्विन ईटीपीएल में डबलिन गार्जियंस टीम की कप्तानी करेंगे। भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का मानना है कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए यह लीग खेल के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अश्विन ने कहा, 'कुछ वर्षों में ओलंपिक होने हैं और क्रिकेट अगर वास्तव में वैश्विक खेल बनना चाहता है तो इस तरह की लीगों की टीमें इसमें अहम योगदान देंगी।' उन्होंने कहा कि टी20 प्रारूप क्रिकेट को दुनिया के अधिक देशों तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा, 'हमारा पूरा ध्यान टी20 क्रिकेट पर रहेगा और इसे बेहतर बनाने पर होगा। यदि क्रिकेट को वैश्विक खेल और सफल ओलंपिक खेल बनाना है तो छोटा प्रारूप सबसे अधिक व्यावहारिक है।' उन्होंने कहा, 'इसी वजह से टी20 क्रिकेट का लगातार विस्तार होता जाएगा। इससे खिलाड़ियों का दायरा भी बढ़ेगा, जो सालभर आयोजित होने वाली विभिन्न लीगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। टी20 क्रिकेट यहां लंबे समय तक रहने वाला है। मैं वनडे क्रिकेट के बारे में मैं इतना निश्चित नहीं हूं।'

विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे सिनर: सबसे अधिक मैच जीतने वाले इटली के खिलाड़ी बने

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मौजूदा चैम्पियन इटली के जैनिक सिनर जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। सिनर ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-6(2), 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर एक बार फिर अपने खिताब को बनाये के लिए आगे बढ़ते दिख रहे हैं। सिनर ने बोर्गेस के खिलाफ मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन करने के साथ ही अपनी 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत के साथ एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। वह इतने मैच जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। अब तीसरे दौर में उनका सामना अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी से होगा।

पुर्तगाली खिलाड़ी के खिलाफ सिनर के मिए मुकाबला आसान नहीं रहा। पहले दो सेटों में बोर्गेस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। वहीं सिनर ने धैर्य से खेलते हुए अपने सटीक शॉट्स के साथ अंक हासिल किये। वहीं दूसरे सेट में तो बोर्गेस 5-4 की बढ़त के साथ सर्विस कर रहे थे पर दबाव के क्षणों में सिनर ने जीत के साथ वापसी की। उन्होंने टाई-ब्रेक को 7-2 से जीतकर मैच पर पकड़ बना ली।वहीं तीसरे सेट में भी बोर्गेस ने आक्रामक अंदाज बनाये रखा। उन्होंने सही समय पर निर्णायक ब्रेक हासिल कर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ सिनर ने अपने करियर की 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत दर्ज की है। इस शानदार उपलब्धि ने उन्हें निकोला पिएट्रांगेली के 94 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए, ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे अधिक मैच जीतने वाले इतालवी खिलाड़ी बनने का गौरव प्रदान किया है। , सिनर अब ओपन एरा में लगातार दो बार विंबलडन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले विशिष्ठ खिलाड़ियों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने का लक्ष्य रख रहे हैं।

सितसिपास को हराकर विंबलडन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

लंदन। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में जीत के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। जोकोविच ने पुरुष एकल मुकाबले में यूनान के दिग्गज खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास को एकतरफा मुकाबले में आसानी से 6-3, 6-4, 6-2 से हरा दिया। ये मुकाबला करीब डेड़ घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। इस जीत के साथ ही विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच अब ग्रास-कोर्ट पर अपने सातवें खिताब को जीतने प्रतिबद्ध नजर आये। जोकोविच ने इस जीत के साथ रिकॉर्ड 20वीं बार विंबलडन के तीसरे दौर में प्रवेश किया है। मैच के दौरान वह अच्छी लय मे दिखे। उन्होंने कुल 33 विनर्स लगाए और मात्र सात अनफोर्स्ड एरर्स किए, जिससे उनकी क्षमत का अंदाजा होता है। अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने विशेष रूप से एक गेम में तीन विनर्स लगाकर बढ़त हासिल की । वह शुरुआत से ही मैच में हावी रहे। अब तीसरे दौर में जोकोविच का मुकाबला 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेच से होगा, जिन्होंने हाल ही में मार्टिन डाम को तीन सेटों में हराया था। यह जोकोविच और रिंडरकनेच के करियर का पहला आमना-सामना होगा, जिससे यह मुकाबला और भी रोमांचक होना तय है। मैच के बाद, अपनी शानदार जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए जोकोविच ने कहा, जब आप इस तरह खेलते हैं तो कोर्ट पर बहुत खुशी, संतुष्टि और आनंद महसूस होता है।

अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

डरहम । इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण यहां रद्द हुए पहले टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 59 रन की आतिशी पारी के दौरान एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की। अभिषेक इस मैच में दो छक्के लगाते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। अभिषेक ने यह रिकार्ड केवल 785 गेंदों पर ही बना दिया। उन्होंने इस दौरान वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज एविन लुईस के रिकॉर्ड को तोड़ा। लुइस ने 789 गेंदों में अपने 100 छक्के लगाये थे। अभिषेक टी20 में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर आ गये हैं। दूसरे नंबर पर एविन लुईस (789 गेंद), फिन एलन (871 गेंद) के साथ ही तीसरे, टिम डेविड (931 गेंद) चौथे और कॉलिन मुनरो (963 गेंद) के साथ ही पांचवे नंबर रहे हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के सबसे तेजी से 100 टी20 छक्के लगाने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने 1007 गेंदों का सामना किया था। अभिषेक ने यह कारनामा सूर्यकुमार से 222 गेंद पहले ही कर दिखाया। अब वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले भारत के केवल पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में रोहित शर्मा (205 छक्के), सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पांड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) शामिल हैं, जिनके साथ अभिषेक ने 100 छक्के पूरे कर अपना नाम दर्ज कराया है। अभिषेक नाम अब 1450 से ज्यादा रन हैं और उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर है, जो 1000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे अधिक है। मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 189 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। हालांकि, इंग्लैंड की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई और उसके नहीं रुकने पर मैच रद्द घोषित कर दिया गया।

सेंटनर की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उतरेगी न्यूजीलैंड, मैथ्यू फिशर नया चेहरा

ऑकलैंड (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह 12 जुलाई से होने वाली वाली पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर को कप्तान बनाया है। 16 सदस्यीया टीम में पहली बार तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को शामिल किया गया है। फिशर ने अब तक केवल एक टेस्ट और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेला है। वह पहली बार किसी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किये गये हैं। ऐसे में उनका डेब्यू तय नजर आता है। कप्तान सेंटनर के अलावा, कई अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में वापसी कर रहे हैं। इसमें डेरिल मिचेल, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रेसवेल और जैकब डफी शामिल हैं। डफी हाल ही में पितृत्व अवकाश के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर थे। वहीं कुछ खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखा गया है हैं। बांग्लादेश दौरे शामिल रहे अशोक, जोश क्लार्कसन, डेन क्लीवर, विल ओरूर्क और ब्लेयर टिकनर को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है जबकि तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन को इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के कारण इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड से सीधे स्वदेश लौटेंगे और इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट पहले से तय प्रतिबद्धताओं के चलते टीम के साथ नहीं जाएंगे। एकदिवसीय सीरीज के पहले तीन मुकाबले 12, 14 और 17 जुलाई को प्रोविडेंस, गुयाना में खेले जाएंगे। इसके बाद आखिरी दो मैच 20 और 22 जुलाई को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है- कप्तान- मिशेल सेंटनर विकेटकीपर- टॉम लैथम, मिशेल हे बल्लेबाज- मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, निक केली, विल यंग, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, क्रिस्टियन क्लार्क ऑलराउंडर- माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ गेंदबाज- मैथ्यू फिशर, जैकब डफी, बेन सियर्स, जेडन लेनोक्स!

'इंग्लैंड में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ', टीम से बाहर चल रहे भारतीय ऑलराउंडर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने इंग्लैंड दौरे 2025 को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे शार्दुल ने दावा किया कि पांच टेस्ट मैचों की उस सीरीज में उनका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें कम ओवर ही नहीं दिए गए, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई, जिससे वह टीम के लिए ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

'गेंदबाजी में सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया'

शार्दुल ने कहा कि बल्लेबाजी में लीड्स टेस्ट में उन्होंने गलती जरूर की थी, लेकिन मैनचेस्टर टेस्ट में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली थी।

उन्होंने कहा, 'जब मैंने इंग्लैंड में खेला तो गेंदबाजी में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ। बल्लेबाजी में लीड्स में मेरी गलती थी, लेकिन मैनचेस्टर में मैंने शानदार बल्लेबाजी की। उस समय बादल छाए हुए थे, गेंद स्विंग कर रही थी और पिच मुश्किल थी। अगर मैं उस समय नहीं टिकता तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था।'

'गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई'

34 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि उन्हें गेंदबाजी के लिए सही फेज में नहीं लगाया गया। 'मुझे सिर्फ कम गेंदबाजी नहीं मिली, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई। मुझे लगता है कि रणनीति में कहीं न कहीं गलती हुई थी।' हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मैच के दौरान कप्तान या कोच से इस बारे में बात करना आसान नहीं होता। 'मैदान पर पूरा फोकस मैच पर होता है। जब भी गेंद मिलती है, खिलाड़ी सिर्फ यही सोचता है कि टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है।'

लीड्स टेस्ट का भी किया जिक्र

शार्दुल ने लीड्स टेस्ट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार दो गेंदों पर बेन डकेट और हैरी ब्रूक का विकेट लेकर भारत की वापसी कराई थी, लेकिन इसके बाद उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे लंबा स्पेल मिलता तो शायद एक-दो और विकेट मिलते और मैच का नतीजा भी बदल सकता था।'

'मुझे और मौके मिलने चाहिए थे'

शार्दुल का मानना है कि 2024-25 घरेलू सीजन में अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में ज्यादा मौके मिलने चाहिए थे।उन्होंने कहा, 'उस सीजन में जिस तरह का प्रदर्शन मैंने किया, उसके बाद मुझे कुछ और टेस्ट खेलने चाहिए थे। मुझे लगता है कि मैं टीम के लिए अंतर पैदा कर सकता था।'

वापसी का लक्ष्य बरकरार

शार्दुल ने साफ कहा कि भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करना ही उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है।

'भारतीय टीम में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मेरी कोशिश 100 प्रतिशत है कि मैं दोबारा टेस्ट टीम में वापसी करूं। जब भी मुझे मौका मिला है, मैंने कई मैचों में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।'

इंग्लैंड 2025 टेस्ट सीरीज में शार्दुल का प्रदर्शन

मैच- 2, गेंदबाजी- 27 ओवर, विकेट- 2, रन- 46; मैनचेस्टर टेस्ट- 88 गेंदों में 41 रन.